PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 226 ● भिलाई, मंगलवार 17 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने के दिये निर्देश

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों और छह राज्यों में होने वाले उपचुनाव के लिये आदर्श चुनावी आचार संहिता का सख्ती से लागू करने और पालन करने के निर्देश दिये हैं ज्ञात रहे है कि आयोग ने एक दिन पहले रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडू और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की थी।

न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट तकनीकी खामी के चलते आयरलैंड डायवर्ट

नई दिल्ली। एअर इंडिया की न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही एक ए350 विमान सेवा को सोमवार सुबह संदिग्ध तकनीकी खराबी की आशंका के चलते एहतियातन आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। विमान में करीब 300 यात्री सवार थे। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि 15 मार्च को न्यूयॉर्क (जेएफके) से दिल्ली के लिए रवाना हुई फ्लाइट ,ङ्ख102 को संभावित तकनीकी समस्या के बाद शैनन, आयरलैंड की ओर डायवर्ट किया गया। एयरलाइन के अनुसार विमान ने स्थानीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे शैनन एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्री व चालक दल सुरक्षित हैं। प्रवक्ता ने बताया कि विमान की स्थापित सुरक्षा मानकों के तहत विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजारों में तेजी

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से जारी गिरावट के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 148.13 अंक टूटकर 74,415.79 अंक पर खुला लेकिन कुछ ही देर में हरे निशान में पहुंच गया। बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। सेंसेक्स एक समय 179 अंक नीचे था तो बाद में 420 अंक की बढ़त तक भी पहुंचा। खबर लिखे जाते समय यह 59.48 अंक (0.08 प्रतिशत) ऊपर 74,623.40 अंक पर था।

ओडिशा के एससीबी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 मरीजों की मौत, 25 लाख रुपये अनुग्रह राशि की घोषणा

भुवनेश्वर। ओडिशा में कटक जिले के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर आईसीयू में सोमवार को आग लगने की एक दुखद घटना में 10 मरीजों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य मरीज घालय हो गए जिनका वर्तमान में आईसीयू में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग के साथ अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने आग लगने के कारणों की न्यायिक जांच के आदेश दिए और मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मांझी के अनुसार, आग लगने का कारण अस्पताल की पहली मंजिल पर स्थित ट्रॉमा केयर आईसीयू में शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है। यह अस्पताल ओडिशा के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक है। जानकारी के अनुसार आग बगल के आईसीयू और वार्ड में भी फैल गई। घटना के समय, ट्रॉमा केयर आईसीयू में 23 मरीजों का इलाज चल रहा था। इनमें से 10 मरीजों की अस्पताल के अन्य आईसीयू यूनिटों में स्थानांतरित करते समय मौत हो गई जबकि शेष 13 मरीजों को बचा लिया गया और उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत अस्पताल पहुंचे और आग पर काबू प्राप्त किया।

कटक अस्पताल हादसे के बाद पीएम मोदी ने की अनुग्रह राशि की घोषणा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के कटक में एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कि यह घटना बेहद दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मोदी ने कहा, ओडिशा के कटक में अस्पताल में हुआ हादसा बेहद पीड़ादायक है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने प्रभावित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की भी घोषणा की।

कटक के सरकारी हॉस्पिटल में आग लगने से 10 मरीजों की मौत, सीएम साय ने जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा केयर आईसीयू में आग लगने की दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक बताया है। मुख्यमंत्री साय ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता उनके साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री ने महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी से प्रार्थना करते हुए कहा कि वे दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति प्रदान करें। ओडिशा के मुख्यमंत्री मांझी ने बताया कि कि हादसे के वक्त वार्ड में 23 मरीज भर्ती थे।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का सामूहिक विवाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और संवेदनशील शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह को गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ ने सामाजिक एकता और अंत्योदय की भावना का ऐसा प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है। 10 फरवरी को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में पूरे प्रदेश से कुल 6,412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें से 1,316 जोड़ों का विवाह

रायपुर में प्रत्यक्ष रूप से संपन्न हुआ, जबकि शेष जोड़े प्रदेश के विभिन्न जिलों से वर्चुअल माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े। सभी विवाह धार्मिक परंपराओं और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न कराए गए, जिससे यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक समरसता और सामूहिक खुशियों का विराट उत्सव बन गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस समारोह की विशेषता यह भी रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़ों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, आपसी सद्भाव और सर्वधर्म समभाव की भावना का जीवंत प्रतीक बन गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान, विश्वास और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन गई है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, लेकिन इस योजना ने उस चिंता को दूर कर हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशियां और विश्वास का संचार किया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

आज से शुरू हो रही रीवा-रायपुर हवाई सेवा उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल करेंगे शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में रहने वाले बघेलखंड के रहवासियों के लिए सौगात के तौर पर रीवा से रायपुर के बीच हवाई सेवा शुरू की जा रही है। आज से शुरू होने वाली एलायंस एयर की इस सेवा की पहली फ्लाइट में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल रीवा से रायपुर आ रहे हैं। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी प्रवास कार्यक्रम में बताया गया है कि राजेंद्र शुक्ल रीवा से शाम 5 बजे रायपुर के लिए रवाना होंगे, जो शाम 6.15 बजे रायपुर पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से शाम 7 बजे वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर के लिए रवाना होंगे। मंदिर में प्रभु श्रीराम के दर्शन पश्चात शाम 7.35 बजे क्वींस क्लब में आयोजित विंध्य समाज के सम्मान समारोह में शामिल होंगे। रात में 9.35 बजे सैल्स टैक्स कॉलोनी पहुंचेंगे, जहां संजीव तिवारी के निवास पर रात्रि भोज करेंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात अगले दिन सुबह 10.15 बजे नालंदा परिसर का अवलोकन करेंगे।

दोपहर 12.05 बजे पहुना गेस्ट हाउस में विंध्य क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 2.20 बजे रायपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

दोपहर 3.15 बजे रायपुर एयरपोर्ट से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

दुबई हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले के बाद उड़ानें निलंबित

दुबई। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को ड्रोन हमले के बाद उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों ने हवाई अड्डे के पास आग लगने की घटना के बाद एहतियाती सुरक्षा उपाय के रूप में परिचालन रोक दिया।

दुबई नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम यात्रियों एवं हवाई अड्डे के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ानों के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें, स्थिति की समीक्षा करने के बाद आधिकारिक चैनलों के माध्यम से आगे की जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण हवाई अड्डे की सीमा के पास आग लग गई जिसे आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत बुझा दिया। दुबई मीडिया कार्यालय ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से रोकने से पहले ही आग की घटना पर प्रतिक्रिया दी। यह व्यवधान पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत में अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच उत्पन्न हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप कई खाड़ी देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले हुए हैं और हवाई क्षेत्र पर रुक-रुक कर प्रतिबंध लगाए गए हैं। क्षेत्रीय विमानन को पहले ही काफी व्यवधान का सामना करना पड़ा है, पिछली बार उड़ानों के निलंबन से दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे प्रभावित हुए थे जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में 1,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं।

सदन में गूंजा पेपर लीक का मामला, विपक्ष ने स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान 12वीं बोर्ड के हिंदी पेपर लीक होने का मामला भी गूंजा। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने सदन में यह मुद्दा उठाते हुए प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की स्थिति पहले से ही चर्चा में है, और अब 12वीं का हिंदी पेपर लीक होने की खबर सामने आई है. उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक कर कुछ बच्चों और कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि जो जानकारी सामने आ रही है, उसमें केवल एक विषय नहीं बल्कि अन्य विषयों के पेपर लीक होने की आशंका भी जताई जा रही है. ऐसे में यह गंभीर जांच का विषय है। कांग्रेस विधायक ने सरकार और शिक्षा मंत्री से मांग की कि इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और निष्पक्ष जांच कराई जाए. साथ ही जो भी दोषी हों, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पूरी सच्चाई जनता के सामने लाई जाए।

इधर, 12वीं बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक के आरोपों पर छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी 12वीं का पेपर लीक नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि एक छात्र संगठन द्वारा आधी रात को कुछ प्रश्नों को जानबूझकर व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल किया गया है. उसपर भी जांच करने माध्यमिक शिक्षा मंडल को निर्देश दिए हैं।

मंत्री ने बताया कि मामले की जांच के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल को निर्देश दिए गए हैं और यदि जांच में पेपर लीक या कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मामले को सदन में उठाने का कोई औचित्य नहीं

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव को हटाए जाने के विरोध में तृणमूल का राज्यसभा से बहिर्गमन

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा राज्य के मुख्य सचिव और गृह सचिव को उनके पद से हटाए जाने के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सोमवार को राज्यसभा से दिन भर के लिए बहिर्गमन किया।

सदन में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद शून्य काल से पहले यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि रात के अंधेरे में राज्य के मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और गृह सचिव को चुनाव आयोग द्वारा हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग का अधिकार है लेकिन उनकी पार्टी इसका कड़ा विरोध करती है और इसके विरोध में दिन भर के लिए सदन से बहिर्गमन कर रही है। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सदन

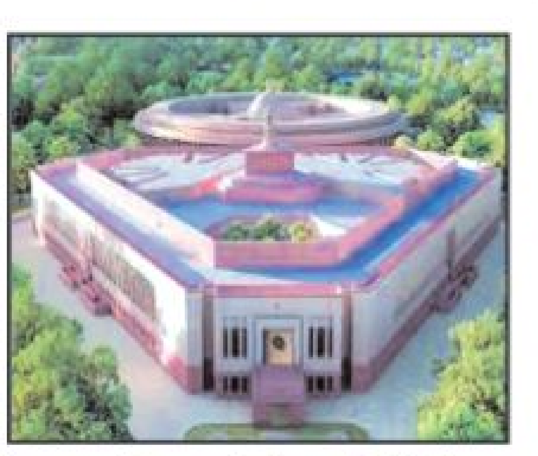

से बाहर चले गए। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह चुनाव आयोग का फैसला है और सदन का इससे कुछ लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह शक्ति संविधान ने दी है और इस मामले को सदन में उठाने का कोई औचित्य नहीं है।

रसोई गैस आपूर्ति पर राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोक झोंक

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा सोमवार को सदन में उठाया जिस पर नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने यह कहते हुए विरोध किया कि कांग्रेस विपत्ति के समय भी राजनीति कर लोगों को भड़का रही है। खड़गे ने शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण हाहाकार मचा है और इससे विशेष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग तथा छोटे रेस्तरां प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी जरूरत की 60 प्रतिशत रसोई गैस आयात करता है और इसमें से भी 90 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आती है। खड़गे ने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने से सामुदायिक किचन बंद करने पड़ रहे हैं और सिलेंडर की कीमत भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार यह दावा कर रही है कि देश में गैस सिलेंडर की कमी नहीं है और लोग अफवाहों पर ध्यान ना दें तो फिर यह लाइन क्यों लग रही है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से रवाना एलपीजी जहाज 'शिवालिक' आज भारत पहुंचेगा

नयी दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कई दिनों तक फंसे रहने के बाद एलपीजी से लदा भारतीय जहाज 'शिवालिक' अब भारत के समुद्री तट पर उतरने वाला है। 40,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी ले जा रहे इस जहाज के गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर लंगर डालने की उम्मीद है, जिससे पश्चिम एशिया संकट के कारण बाधित हुई घरेलू आपूर्ति को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। यह एलपीजी वाहक वर्तमान में भारतीय नौसेना के संरक्षण में है, जो भारत की ओर अपनी यात्रा के अगले चरण के दौरान इस जहाज को सुरक्षा प्रदान कर रही है। इसी बीच एक अन्य एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है। शनिवार को एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में पत्तन, पोत

परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि फारस की खाड़ी में परिचालन कर रहे भारतीय जहाज सुरक्षित हैं और शिपिंग गतिविधियों की निरंतर बारीकी से निगरानी की जा रही है। सिन्हा ने बताया कि भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक शिवालिक और नंदा देवी ने शनिवार तड़के सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया था और अब भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये लगभग 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आ रहे हैं। इनके 16 और 17 मार्च को मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है। उन्होंने आगे जोड़ा कि वर्तमान में फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज परिचालन में हैं और अधिकारी शिपिंग कंपनियों और भारतीय मिशनों के साथ समन्वय में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया कॉन्क्लेव के दौरान ईरानी राजदूत मोहम्मद फथाली ईरान ने कहा था कि उनके देश ने दोनों देशों के बीच पुरानी दोस्ती के कारण कई भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है।

CMYK

आदिवासी महिला से अश्लील गाली गलौच और मारपीट कर 3 युवकों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, 2 गिरफ्तार, एक फरार

बालोद। जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां बालोद थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम करहीभदर निवासी एक आदिवासी महिला से गांव के ही तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। इतना ही आरोपित यूवकों ने पीड़िता को मां बहन की अश्लील गाली गलौच और मारपीट कर बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। मामले में बालोद पुलिस ने 2 आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वही एक आरोपी फरार हैं। आरोपितों द्वारा घटना को करीबन 20 दिन पहले अंजाम दिया गया है। लेकिन बीते 7 मार्च को जब मामला सामने आया, तो गांव के ही ग्राम विकास समिति के द्वारा एक बैठक आहूत कर आरोपित यूवकों से एक मोटी रकम लेकर मामले को दबाने का प्रयास किया गया था। लेकिन पीड़िता द्वारा 14 मार्च को घटना की थाने में शिकायत की गई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित 3 युवकों सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

ग्राम विकास समिति ने लिया अर्थदंड आरोपी

दरअसल पुलिस मिली जानकारी अनुसार ग्राम करहीभदर निवासी आदिवासी समाज से ताल्लुक रखने वाली एक पीड़िता महिला ने थाना में लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराई कि गांव के ही विकास सिन्हा पिता रामस्वरूप सिन्हा (26), रोशन कुमार साहू पिता गिरधर साहू (24) एवं कमल कुमार सेन पिता मनोहर लाल सेन (23) के द्वारा 22 फरवरी 2026 कि रात 9 बजे उसे उठाकर ले गये और रात 12 बजे तक उसके साथ जबरदस्ती सामुहिक बलात्कार कर मां बहन की अश्लील गाली गलौज कर किसी को बतायेगी तो कोई यकीन नहीं करेगा कहकर सभी लोग पेट एवं बांया घूटने एवं शरीर के अन्य भाग में मारपीट भी की। मारपीट करने से पीड़िता के पेट एवं बांया घुटने एवं शरीर के अन्य भाग में चोंट आया है, जिसकी रिपोर्ट पर बालोद थाने में अपराध क्रमांक 107/2026 धारा 296, 115(2), 87, 70 (1) बीएनएस एवं 3(2)(वी) एसटीएससी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के मार्गदर्शन में सायबर सेल की सहायता से आरोपित विकास सिन्हा और कमल कुमार सेन को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जिन्होने अपराध घटना करना स्वीकार किया। और उन्हेंने पुलिस को घटना के संबंध में ग्राम विकास समिति के समक्ष गुनाह स्वीकार कर.अर्थ दण्ड देना भी बताया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा दिया है। वही तीसरा आरोपी रोशन कुमार साहू जो कि ग्राम पंचायत करहीभदर में पंच भी है, वह फरार है। आरोपीगणों की गिरफ्तारी में बालोद थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा, म.प्र.आर. नर्मदा कोठारी, प्र.आर. योगेश सिन्हा, प्र.आर. दुर्योधन यादव, आरक्षक मोहन कोकिला, संजय सोनी, बनवाली साहू, नागेश्वर साहू सायबर सेल प्रभारी धरम भुआर्य एवं सायबर टीम की विशेष योगदान रहा।

1.20 लाख का लिया गया अर्थदंड

इस घटना में जो बड़ी निकल के सामने आई है, और गांव में जो चर्चा है, वह यह कि जब 7 मार्च को यह मामला सामने आया तो ग्राम विकास समिति के द्वारा मामले को गांव स्तर पर निपटाने पुराने ग्राम पंचायत भवन में बैठक आहूत कर तीनो आरोपितों से 40-40 हजार यानि कि कुल एक लाख 20 हजार रुपये बतौर अर्थदंड स्वरूप पैसे लिए गए, जिसमें से 30 हजार रुपये पीड़िता को देकर 90 हजार रुपये समिति ने स्वंय अपने पास रख लिए। सामूहिक बलात्कार जैसे एक गंभीर घटना को ग्राम विकास समिति के द्वारा चंद पैसों के लिए दबाने का प्रयास किया गया। जबकि समिति को चाहिए था कि इस घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देती। लेकिन ग्राम विकास समिति ने ऐसा नही किया। इतना ही नही ग्राम विकास समिति ने आरोपित रोशन साहू जो कि पंच भी है, उससे इस्तीफा भी ले लिया। ग्राम विकास समिति की बैठक में अध्यक्ष लीलाराम दड़सेना और सरपंच बंसत तारम मुख्य रूप से मौजूद थे।

पुलिस उप महानिरीक्षक ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के भ्रमण दौरान अचानक पहुंचे पुलिस सहायता केंद्र बिरनपुर

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के भ्रमण दौरान पुलिस सहायता केंद्र बिरनपुर पहुच कर आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित अधिकारी व जवानों को मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने, अधिकारी/ कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाए जाने के साथ कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में निर्देश दिए। उन्होनें चोरी और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग और काम्बिंग गश्त करने के निर्देश दिए गए। काम्बिंग गश्त के दौरान हाटल, लाज, ढाबा, एटीएम, बैक, बस स्टैण्ड, प्रतिक्षालय एवं संदिग्ध व्यक्तिवो कि चेकिंग करने, गली - मोहल्लें एवं चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर रखने, साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में गस्त को बढ़ाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी ने विजिबल पुलिसिंग और चेकिंग अभियान को सक्रिय करने की बात कही। अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवाओं और अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से हॉट/ बाजारों एवं ग्रामों में जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा अधिकारी एवं कर्मचारियों को आमजन/ महिला आगंतुक / रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरतापूर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सशक्त एप के माध्यम से वाहनों की चेकिंग कार्यवाही को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इसके साथ ही, स्मार्ट और हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान पुलिस सहायता केन्द्र बिरनपुर प्रभारी सहायक उप निरीक्षक संतोष ध्रुर्वे, प्रधान आरक्षक आनंद कुर्रे, मनोज चतुर्वेदी, आरक्षक गौकरण मंडावी एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों का निराकरण

दल्लीराजहरा। व्यवहार न्यायालय दल्लीराजहरा में आयोजित नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत खंडपीठ क्रमांक-08 में विभिन्न प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी सहमति के आधार पर मामलों का त्वरित समाधान कर न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ कम करना है। लोक अदालत में बैंक रिकवरी, श्रम विवाद, राजस्व प्रकरण सहित अन्य मामलों की सुनवाई की गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कुल 887 प्रकरणों को लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिनमें से कई मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। इस दौरान पक्षकारों के बीच लगभग 17,85,232 रुपये से अधिक की राशि पर समझौता हुआ। इस अवसर पर खंडपीठ में न्यायालय के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिनमें मनीष कुमार दर्रो (प्रस्तुतकार), राजपाल साहू (स्टेनोग्राफर), मणिशंकर देशमुख (सेंट्रल फाइलिंग), विजय कुमार तुरकाने, संजय चंद्राकर, रमेश श्रीवास्तव (सहायक ग्रेड-3), कमलेश्वरी गावरे (भृत्य) तथा प्रीतम मुजार्य (आदेशिका वाहक) शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन पीठासीन अधिकारी, लोक अदालत खंडपीठ-08, व्यवहार न्यायालय दल्लीराजहरा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

शासकीय पीजी कॉलेज बेमेतरा में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन

बेमेतरा। शासकीय पीजी कॉलेज बेमेतरा में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के तत्वाधान में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वैज्ञानिक 'डी 'डॉ.अमित दुबे उपस्थित हुए। उन्होंने नए आविष्कार के पेटेंट और नित नए खोज के लिए छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ हुआ जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी के साथ समस्त स्टॉफ और छात्र छात्राएं शामिल हुए। प्राचार्य ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में खोज करने और भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया। अन्य वक्ता के रूप में अवि गर्ग वकील दिल्ली ने आविष्कारों को नियम पूर्वक पेटेंट कराने का उल्लेख किया कि गलत तरीके से किए गए आविष्कारों पर कार्यवाही भी हो सकती है। सभी प्रकार के खोज नियम पूर्वक होना चाहिए। इस कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिक महेंद्र चंद्रवंशी ने संबोधित किया। कार्यक्रम के संयोजक डी आर साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि नए आविष्कार के लिए युवाओं को सामने आना चाहिए छोटे छोटे आविष्कार जीवन में बदलाव लाया जा सकता है। साहू ने सभी वक्ताओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना जितेंद्र बारले ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचार के लिए युवाओं को प्रेरित करना था।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना का पंजीयन समितियों के माध्यम से

दल्लीराजहरा। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम आशा) योजनांतर्गत प्राईस सपोर्ट स्कीम के तहत किसानों का पंजीयन समितियों के माध्यम से ई समयुक्ति पोर्टल में किया जाएगा।

उन्होंने योजना अंतर्गत खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में क्रमशः अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन तथा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में क्रमशः चना, मसूर एवं सरसों फसलों की बुआई करने वाले कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से सेवा सहकारी समितियों में आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर एवं अपना पंजीयन कराने को कहा है। इस योजना के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जिले के लिए चिन्हांकित एजेंसी नेशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कृषकों की फसलों का उपार्जन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य जिसमें खरीफ फसल अरहर 8000 रूपए, मूंग 8768 रूपए, उड़द 7800 रूपए, मूंगफली 7263 रुपए, सोयाबीन 5328 रूपए एवं रबी फसल चना 5875 रूपए, मसूर 7000 रूपए एवं सरसों 6200 रूपए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल तय किया गया है। जिसके लिए कृषकों का पंजीयन ई समयुक्ति पोर्टल के माध्यम से पंजीयन करने की तिथि 28 फरवरी 2026 में वृद्धि कर अब 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। शासन द्वारा जिले में उपार्जन एवं भण्डारण के लिए उपार्जन केन्द्र के रूप में सेवा सहकारी समिति सांकरा-ज, निपानी, लाटाबोड़, पीपरछेड़ी विकासखण्ड गुरूर अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति फागुन्दाह, गुरूर, सनौद, बासीन विकासखण्ड डौण्डी अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति डौण्डी, चिखलाकसा विकासखण्ड डौण्डीलोहारा अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति डौण्डीलोहारा, सुरेगांव, देवरी, नांहदा विकासखण्ड गुण्डरदेही अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति गुण्डरदेही, अर्जुंदा, भांठागांव-बी, कसौंदा को निर्धारित किया गया है। योजनान्तर्गत शासन द्वारा पंजीकृत कृषकों से खरीफ फसल अरहर 3 क्विंटल, मूंग 3 क्विंटल, उड़द 3 क्विंटल, मूंगफली 7 क्विंटल, सोयाबीन 5 क्विंटल प्रति एकड़, एवं रबी फसल चना 6 क्विंटल, मसूर 2 क्विंटल, सरसों 5 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से कृषकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी।

दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रार्थी लेखराम निर्मलकर उम्र 41 साल साकिन वार्ड नं. 01 पिकरी बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका पुत्र मृतक प्रवीण निर्मलकर को लोभन सिंह वर्मा पिता कमलेश वर्मा उम्र 25 साल निवासी घोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा के मोबाईल दुकान से 1,50,000/- रूपए चोरी करने के इल्जाम लगाने पर मृतक के पिता द्वारा प्रति माह 5 हजार रूपए लोभन सिंह वर्मा को देना तय होने पर इकरारनामा तैयार किया गया। कि पुनः लोभन वर्मा के द्वारा मृतक प्रवीण निर्मलकर को तुम पैसा नहीं दे रहे हो कहकर हमेशा मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताडित करने से मृतक प्रवीण निर्मलकर ने 16.06.2025 के रात्रि 22:30 बजे से 17.06.2025 के सुबह करीबन 05:00 बजे के मध्य मारूति गैरेज पिकरी में फांसी लगाकर मौत हो जाने से मर्ग, सदर धारा 194 बीएनएसएस कायम कर मृतक के शव का पंचनामा कार्यवाही कर पीएम कराया गया। लोभन सिंह वर्मा के द्वारा पैसों की मांग को लेकर मृतक को दबाव डालना तथा मृतक के घर में जाकर धमकी देने के कारण मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताडित होने से लोभन सिंह वर्मा के द्वारा मृतक को आत्महत्या करने दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करना मर्ग जांच पर पाए जाने पर लोभन वर्मा के विरूद्ध थाना बेमेतरा में अपराध सदर धारा 108 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी लोभन वर्मा उम्र 25 वर्ष, निवासी घोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर पता चला कि लोभन वर्मा के मोबाईल दुकान से 1,50,000/- रूपए प्रवीण निर्मलकर के द्वारा चोरी करने से प्रवीण निर्मलकर के पिता लेखराम निर्मलकर से इकरारनामा कर 5 हजार रूपए प्रतिमाह देना तय होने व लेखराम निर्मलकर द्वारा 5 - 5 हजार रूपए करके 25 हजार रूपए देना, फिर भी इनके द्वारा लेखराम निर्मलकर व मृतक प्रवीण निर्मलकर को पैसा नहीं दे रहे हो कहकर बार-बार बोलना कि मृतक प्रवीण निर्मलकर को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करना। आरोपी लोभन वर्मा पिता कमलेश वर्मा उम्र 25 वर्ष, निवासी घोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक रेशम लाल भास्कर, महिला प्रधान आरक्षक रीना गायकवाड, आरक्षक कुसुम लाल कोशले सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

नेशनल लोक अदालत में 12975 प्रकरणों का हुआ निराकरण

बेमेतरा। जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीप प्रज्जवलन कर लोक अदालत का शुभारंभ किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकारगण को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दी गई। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा लोक अदालत की विशेषता बताते हुए कहा कि पक्षकारों के मन में पुराने समय से चल रही वैमनस्यता को दूर करने के लिए लोक अदालत बहुत अच्छा माध्यम है। यह एक राष्ट्र के प्रति सेवा है, जिसमें हमें बढ चढ़कर अपनी सहभागिता देनी चाहिए, तथा न्यायालय में लंबित मामलों के अधिक से अधिक निराकरण कर सौहाद्रपूर्ण वातावरण का निर्माण कर राष्ट्र के विकास में सहयोग प्रदान करना चाहिए। लोक अदालत में जिला न्यायालय प्रांगण में जिले के कोने-कोने से पक्षकार अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए उपस्थित हुये, जिनकी सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वेन, स्वास्थ्य डेस्क व समस्त बैंक, विद्युत विभाग, नगर पालिका एवं बीएसएनएल विभाग द्वारा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु स्टॉल लगाया गया, जिसमें उनके द्वारा नेशनल लोक अदालत के अवसर पर उनके विभागों में संचालित योजना से पक्षकारों को अवगत कराते हुए समझौता कर प्री-लिटिगेशन प्रकरणों एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को निराकृत करने हेतु प्रोत्साहित किया, जिसके परिणाम स्वरूप बैंक के 07 प्रकरण एवं विद्युत विभाग के 89 प्रकरण निराकृत हुए। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में 8 खण्डपीठ और तहसील साजा न्यायालय में 1 खण्डपीठ इस प्रकार जिला में कुल 9 न्यायालयीन खण्डपीठ का गठन कर दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के अनुक्रम में समस्त न्यायालीन कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर्स, जिला प्रशासन, जिला एवं जनपद पंचायत, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिले की समस्त बैंको सहित अन्य समस्त विभागों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है। जिले में 10302 प्री-लिटिगेशन व लंबित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था जिसमें से राजस्व प्रकरण, विद्युत विवाद, बैंक प्रकरण व बी.एस.एन.एल. प्रकरणों का निराकरण कर कुल 29,70,449 /- रूपये की वसूली की गई। न्यायालय में लंबित 42 अपराधिक प्रकरण, 16 सिविल प्रकरण, 09 पारिवारिक प्रकरण, 08 एनआई एक्ट धारा 138 प्रकरण, 27

मोटर दुर्घटना दावा व 2893 अन्य प्रकरण का निराकरण कर कुल 2,86,85,426/- रूपये का अवार्ड पारित कर जिलें में रिकॉर्ड अनुसार 3,16,55,875/- रूपये की समझौता राशि वसूली गई।

नेशनल लोक अदालत में नालसा एवं सालसा योजनाओं एवं अभियानों की व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा योजनाओं / अभियानों एवं कानूनी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में न्याय वृक्ष एवं द्वार तोरन बनाकर प्रदर्शनी के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिया तथा न्याय सबके लिए संदेश देते हुये बाल विवाह एवं बलात्कार पीड़िता के गर्भ का चिकित्सीय समापन, मोटर यान अधिनियम, हिट एन रन, साइबर काईम, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह व अन्य विधिक विषयों से संबंधित पाम्पलेट का वितरण किया गया। तथा प्रेरणादायक सुविचारों को छोटे-छोटे तख्तियों के माध्यम से समस्त न्यायालय परिसर में लगाकर पक्षकारों को आपसी रंजीश, नफरत व वैमनस्यता को दूरकर समझौता करने, बाल विवाह रोकने में सहयोग प्रदान करने एवं सड़क सुरक्षा हेतु प्रोत्साहित किया। जिला न्यायालय परिसर में आमजन को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु प्रोजेक्टर के माध्यम से घरेलू हिंसा, लैंगिक अपराधों से संबंधित, महिलाओं से छेड़छाड़ व साईबर क्राईम, मोटर दुध टिना सहित विभिन्न विषयों पर लघु फिल्म दिखायी गयी, जहां पक्षकारों के लिए बैठक व पेय जल की व्यवस्था की गई। साथ ही प्राधिकरण की गतिविधियों की झलकियां भी दिखाई गई। नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को निःशुल्क पौधा वितरण डेस्क से फलदार, छायादार पौधों का वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पक्षकारों के लिए सेल्फी जोन भी रखा गया। समझौता करने वाले पक्षकरों को न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा तुलसी का पौधा भेंट कर प्रोत्साहित किया। खण्डपीठ कमांक 01 न्यायालय, सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा के न्यायालय में वादी कमल सिंग एवं अन्य द्वारा प्रतिवादी मिथिलेश गिरी के पक्ष में 25.11.2025 को निष्पादित विकय पत्र को, प्रतिवादी द्वारा विक्रय पत्र निष्पादन के पश्चात् विकय प्रतिफल की राशि 23,80,000 /- रूपये अदा नही किये जाने के कारण शून्य एवं अवैध घोषित कराने एवं उक्त भूमि पर वादीगण का स्वत्व घोषित किये जाने और वादीगण के पक्ष में स्थायी निषेधाज्ञा की निर्णय एवं डिकी पारित करने बाबत् प्रस्तुत किया गया है, जिसमें पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यगणों के समझाईश देने के उपरांत प्रतिवादी विक्रय प्रतिफल की राशि वादीगण को प्रदान करने के लिए तैयार हो गयी। इस समाधान से दोनों पक्षों का समय और धन की बचत हुई। दोनों पक्षों ने लोक अदालत के प्रति आधार व्यक्त किया और इसे त्वरित एवं सुलभ न्याय का उत्कृष्ट माध्यम बताया।

आयोजित नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क. 07 पीठासीन अधिकारी श्रुति साहू के न्यायालय में कुल 06 व्यवहार वाद में पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामा होने के आधार पर उक्त व्यवहार वाद का निराकरण किया गया है, जिसमें एक व्यवहार वाद में एक ही परिवार के 07 भाई-बहन के मध्य जमीन को लेकर वाद-विवाद यह था कि उभयपक्ष के पिता जी की मृत्यु हो जाने के पश्चात् प्रतिवादीगण पैतृक सम्पति का अपना अधिपत्य कर अन्य परिवार की सदस्यों के हितों को दरकिनार कर पैतृक सम्पति पर अपना अपना नाम दर्ज करा लिया एवं उस पर कास्त काबिज होने लगे। परिवार के अन्य सदस्यों को उक्त संबंध में जानकारी होने पर उनके द्वारा परिवारिक रिश्तेदारों के बीच अपने हक एवं पैतृक सम्पति की मांग की गई। वादीगण, द्वारा अपने पैतृक सम्पति पर स्वयं को अधिकार एवं हक नहीं मिलने पर वर्ष 2024 से पैतृक सम्पति में अपना हक एवं बटवारा प्राप्त करने हेतु यह वाद पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें पीठासीन न्यायिक अधिकारी द्वारा पारिवारिक संबंध में दृढ़ता लाने के लिये पक्षकारों को आपस में बात करने, आपस में कलह व वाद को समझौता के माध्यम से आपसी सहमति से वाद समाप्त करने की समझाईश देने पर दोनों पक्ष समझौते के लिए तैयार हुए तथा सम्पति का बटवारा समझौते के अनुसार सापसी समझौते से किया गया। इस प्रकार दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद व आपसी कटुता समाप्त होकर उनके बीच पुनः मधुर संबंध स्थापित हो गया। इसी प्रकार 05 अन्य वर्ष 2022 के प्रकरणों में भी पक्षकरों को उनके संबंधों एवं वाद के संबंध मे समझाईश देने पर आपसी सहमति से प्रकरण के निराकरण में लोक अदालत के महत्व को समझते हुये उनके मध्य भी राजीनामा कराया गया। इसी प्रकार खण्डपीठ कमांक 08 के पीठासीन अधिकारी सार्विका चतुर्वेदी एवं सुलहाकर्ता सदस्यों के द्वारा वादी एवं प्रतिवादीगण आपस में रिश्तेदार (सगे भाई-बहन) है। दोनों के बीच आपस में जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहा वाद - विवाद आपसी कटुता का कारण बन गया था। न्यायालय द्वारा वादी एवं प्रतिवादीगण के हितों व आपसी संबंधों के संबंध में समझाईश दिया गया तथा कानूनी सलाह के लिए मध्यस्थता केन्द्र प्रेषित किया गया, जहां दोनों पक्षों को जानकारी होने के उपरांत प्रकरण के तत्काल निराकरण किये जाने हेतु उभयपक्ष द्वारा आपस में मधुर संबंध स्थापित कर बिना किसी डर दबाव के राजीनामा पर सहमति होना व्यक्त किया गया। इस प्रकार सभी भाई-बहनों के मध्य लोक अदालत के माध्यम से समझौता होने से समय व संबंध दोनों बच गये। इसी प्रकार अन्य प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक पति-पत्नी है, दोनों के बीच आपस में घरेलू वाद-विवाद हो गया था, जिससे आवेदिका के द्वारा प्रकरण को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा आवेदिका एवं अनावेदकगण को उनके हितों के संबंध में समझाईश देने पर दोनों पक्षों के मध्य आपसी सहमति बनी और दोनों परिवारों के मध्य आपस में मधुर संबंध स्थापित होकर समझौता किया गया। पक्षकारों ने लोक अदालत को रिश्तों को बचाने वाला मंच बताया। इस प्रकार आवेदिका के समझौता के तहत् अपने पति के साथ उसके घर जाकर रहना व्यक्त किये जाने से परिवार बिखरने से बच गया।नेशनल लोक अदालत में सड़क दुर्घटना से पीड़ित पक्षकरों के बीच त्वरित निपटारा हुआ। क्लेम प्रकरण कमांक 137/2025 में पीड़ित पक्ष द्वारा न्यायालय में 83,00,000 /- रूपये अवार्ड राशि प्राप्त करने के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें खण्डपीठ कमांक 03 पीठासीन अधिकारी माननीय देवेन्द्र कुमार एवं सदस्यगण कमशः श्री गिरीश शर्मा अधिवक्ता एवं श्री राहुल साहू अधिवक्ता के द्वारा समझाईश देने पर उभयपक्ष द्वारा 83,00,000 /- रूपये के स्थान पर 20,00,000/- रूपये में समझौता किया गया।

संक्षिप्त समाचार

17 मार्च को कांग्रेस करेगी विधानसभा घेराव,विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 17 मार्च को विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि मनरेगा से जुड़े मुद्दों सहित प्रदेश के विभिन्न जनसरोकारों को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम लोग शामिल होंगे।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि विधानसभा घेराव की तैयारियों के लिए जिलावार और विधानसभा क्षेत्रवार प्रभारियों की नियुक्ति की जा चुकी है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर प्रदेश मुख्यालय में बैठकों का आयोजन किया गया है, वहीं जिलों में भी लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं।उन्होंने कहा कि मनरेगा से जुड़े विषयों, बिजली दरों, धान खरीदी, किसानों से जुड़े मुद्दों और महंगाई जैसे विषयों को लेकर कांग्रेस यह कार्यक्रम करेगी। पार्टी का कहना है कि इन मुद्दों को लेकर जनता की आवाज उठाने के उद्देश्य से विधानसभा घेराव किया जाएगा।कांग्रेस के अनुसार मनरेगा योजना से जुड़े बदलावों और बजट से संबंधित पहलुओं पर भी चर्चा की जा रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि रोजगार और मजदूरों से जुड़े मुद्दों पर जनजागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

घर में घुसकर महिला की आंख में डाला मिर्च पाउडर,चाकू से हमले का प्रयास

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता नंदी चौक टिकरापारा इलाके में रहती है और निजी नौकरी करती है। पीड़िता ने बताया कि 11 मार्च 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह घर में अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला आदित्य मानिकपुरी उसके घर के अंदर घुस आया। महिला के अनुसार आरोपी ने कहा कि उनके घर की बिल्ली का खाना उसके छत पर रखा हुआ था, जिसे वह लेने आया है। इस पर महिला ने कहा कि संभवत: उसके भाई ने खाना वहां रखा होगा। इसी दौरान आरोपी ने अचानक अपनी जेब से मिर्च पाउडर निकालकर महिला के ऊपर फेंक दिया। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसका गला दबाया और धक्का देकर उसे कमरे के अंदर ले गया। वहां जमीन पर पटककर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने बताया कि आरोपी ने अपने पास रखा सब्जी काटने वाला चाकू भी निकाल लिया था। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी के हाथ से चाकू छीन लिया और उससे ऐसा करने का कारण पूछा। इस पर आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि वह पैसे के लिए हमला कर रहा है। मौका देखकर महिला ने आरोपी को जोर से धक्का दिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। शोर सुनकर आरोपी मौके से फरार हो गया।मारपीट के दौरान महिला के गर्दन, चेहरे और दाहिने हाथ के पंजे में चोट आई है। पीड़िता ने टिकरापारा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच,1090 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज तिल्दा टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 सतभवन में 90 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा प्राथमिक शाला चुना भट्टी रायपुर में 90 बच्चों की स्क्रीनिंग एवं 01 बच्चा सस्पेक्टेड, अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 खट्टी में 102 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र सतनामी पारा गुढ़ियारी में 76 बच्चों की स्क्रीनिंग एवं 01 बच्चा सस्पेक्टेड, धरसींवा टीम बी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला एवं मिडिल स्कूल निमोरा में 211 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा बाल संदर्भ केंद्र रीवा में 428 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र बैजनाथपारा, छोटापारा एवं सुंदर नगर में 93 बच्चों की स्क्रीनिंग व पूरे जिले में आज कुल 1090 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

गांजा तस्करी मामले में दो आरोपियों को 15-15 साल की सजा हुई

रायपुर। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक अहम मामले में विशेष न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाया है। विशेष दांडिक प्रकरण (एनडीपीएस) क्रमांक 148/2021 में सुनवाई के बाद अदालत ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 15-15 वर्ष के कठोर कारावास और 1 लाख 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) रायपुर पंकज कुमार सिन्हा की अदालत ने सुनाया।अदालत में पेश साक्ष्यों के अनुसार पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक कार से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक आरोपियों के आधिपत्य वाली होंडा ईंडिगो कार क्रमांक सीजी-04/एचए-5540 से व्यावसायिक मात्रा में कुल 61 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। मामले की जांच और सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर अदालत ने आरोपियों के खिलाफआरोप संदेह से परे प्रमाणित मानते हुए दोषी करार दिया।अदालत ने शादाब खान पिता नसीमुद्दीन खान और घनश्याम मेहर पिता मधुसूदन को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 (एनडीपीएस) की धारा 20 के तहत दोषी पाया। दोनों आरोपियों को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास की सजा के साथ प्रत्येक पर 1 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि आरोपी जुर्माना राशि जमा नहीं करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त तीन-तीन वर्ष का कठोर कारावास भुगतना होगा।सजा सुनाए जाने से पहले आरोपियों के अधिवक्ता ने अदालत से सजा में उदारता बरतने की मांग करते हुए कहा कि यह उनके मुवक्किलों का पहला प्रमाणित अपराध है। हालांकि अदालत ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया।

गढ़फुलझर नानकसागर में होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

गढ़फुलझर नानकसागर बनेगा आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र-मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुलझर के नानकसागर में आयोजित होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहां पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका तथा विशेष कीर्तन समागम और अरदास में भाग लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री को सरोफा भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गढ़फुलझर की पावन धरती स्थित नानकसागर अत्यंत श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, जहां पूज्य गुरु नानक देव जी के चरण पड़े हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संतों की तपोभूमि रही है, जहां अनेक महान संतों ने मानवता, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया है। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्हें अत्यंत गर्व और आत्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण और समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। इसके विकास कार्यों के लिए लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है और निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नानकसागर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, जिससे यह स्थल प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके। बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सिख समाज सदैव संगठन, सेवा और सामाजिक समरसता की भावना के साथ आगे बढ़ने वाला समाज रहा है। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर न केवल सिख समाज की आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सर्वधर्म

समभाव और सद्भावना की जीवंत मिसाल भी है। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह सवन्नी, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा सहित सिख समाज के अनेक गणमान्यजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थानः मुख्यमंत्री श्री साय ने द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल के छात्रों को दी बधाई और शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल रायपुर के छात्रों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आपकी इस उपलब्धि से न केवल आपके विद्यालय, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह राज्य के लिए गर्व का विषय और एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर स्कूल के संचालक श्री सिद्धार्थ सिंह, कमांडेंट (सेवानिवृत्त) कर्नल श्री आर.के. वर्मा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष शिक्षा मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के सैनिक स्कूल भाग लेते हैं। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार द ग्रेट ईंडिया सैनिक स्कूल, रायपुर ने इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति में न हो दिक्कत कालाबाजारी करने पर होगी कार्रवाई-कलेक्टर...

■ डीलर्स एसोसिएशन ने उपभोक्ताओं से पैनिक न होने की अपील की

रायपुर। संवाददाता

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज जिले के सभी ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों और डीलर्स की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले में ऐसी व्यवस्था करें कि एलपीजी गैस की आपूर्ती में दिक्कत न हो, आम उपभोक्ताओं को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। बुकिंग होने के पश्चात् समय पर गैस सिलेण्डर की अनिवार्य रूप से आपूर्ति करें। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी की शिकायत पायी जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1995 (एस्मा) के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने कहा कि एलपीजी गैस का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में है, उन्होंने आग्रह किया कि आम उपभोक्ता पैनिक न हों। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर कलेक्टर कॉल सेंटर के नम्बर 9977222564, 9977222574, 9977222584 एवं 9977222594 पर सम्पर्क करें। बैठक में ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जानकारी दी कि वर्तमान व्यवस्था के तहत गैस सिलेण्डर की दूसरी बुकिंग डिलिवरी के 25 दिन बाद ही होगी, सभी उपभोक्ता डिलिवरी के समय डिलिवरी ऑथेंटिक कोड (डीएसी) बताएं, बुकिंग के लिए आईवीआरएस, व्हाट्सएप, कॉल

एवं मैसेज का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही उन्हीं उपभोक्ताओं को सिलेण्डर दिया जाएगा जिनकी ई-केवायसी हुई है। बैठक में खाद्य नियंत्रक भूपेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सभी डीलर प्रति सप्ताह गैस कंपनी से प्राप्त घरेलू और व्यावसायिक सिलेण्डर के आवक-जावक और बचत की जानकारी खाद्य विभाग को देंगे। साथ ही जो उपभोक्ता पिछले तीन महीने से सिलेण्डर नहीं ले रहे हैं उनकी सूची 3 दिन के भीतर खाद्य विभाग को उपलब्ध कराएं। श्री मिश्रा ने कहा कि सभी डीलर्स के पास जितने भी गैस आपूर्ति वाहन हैं उनके नम्बर, ड्राइवर का नाम और मोबाइल नम्बर प्रस्तुत करें एवं आपूर्ति करने वाले वाहन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर आपूर्ति नहीं करेंगे, घरेलू गैस उपभोक्ता को बिल अनिवार्य रूप से देंगे एक प्रति कार्यालय में रखेंगे जिसमें उपभोक्ता का हस्ताक्षर होगा एवं गैस उपभोक्ता कार्ड में एंट्री अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग के अधिकारी सप्ताह में एक बार गैस एजेंसी जाकर सत्यापन कार्य करें। सभी गैस कंपनी के सेल्स अफसर अपने प्रभार के गैस एजेंसी की जांच सप्ताह में एक बार करें और इसकी जानकारी खाद्य विभाग को देंगे।

मोदी युग में सशक्तिकरण ख्वाब नहीं हकीकत है-अशोक बजाज

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने कहा है कि भारत की नारी ने हर युग में अपनी महानता सिद्ध की है। रामचरित मानस में माता सीता के त्याग एवं तपस्या की अमर गाथा हर नारी के लिए प्रेरणादायी है। श्री बजाज ने अभनपुर क्षेत्र के ग्राम बेलर एवं भटगांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित रामकथा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास की भावना के कारण भारत की नारी और अधिक सशक्त होकर उभर रही है। महिला सशक्तिकरण के कारण देश में तेजी से विकास हो रहा है।भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्री बजाज ने कहा कि मोदी

युग में महिला सशक्तीकरण ख्वाब नहीं हकीकत है। रामायण को एक प्रेरणादायी ग्रंथ बताते हुए श्री बजाज ने कहा कि इससे हमें कर्तव्य पथ पर चलने की सीख मिलती है। राम की भक्ति में ही राष्ट्र की शक्ति निहित है। वर्तमान दौर में पूरी दुनिया के देशों में अंतर्द्वन्द्व चल रहा है लेकिन भारत एक मात्र ऐसा देश है जहाँ शांति और सद्भाव है। अभी हमने शांतिपूर्वक होली मनाई, क्रिकेट का मैच भी निर्विघ्न हो रहा है, सारी गतिविधियाँ सामान्य गति से संचालित हो रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक देश अशांति एवं अराजकता के कारण परेशान है। यह प्रभु राम की कृपा है हमारे देश को मोदी के रूप में सशक्त एवं कुशल नेतृत्व मिला है।इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, अनिल साहू, माधव प्रसाद मिरी, ज्ञानप्रकाश चंद्राकर, अर्जुन धीवर, नेहरूलाल साहू, ृष्णकांत नामदेव, रवि वर्मा, खेमचंद साहू, तिलक यदु, घनश्याम रिगरी, गुलाब साहू, यशवंत साहू, बिसाहू राम साहू, राधेश्याम साहू, खेमलता प्रेमचंद साहू, डा लीलाराम साहू, घनश्याम निर्मलकर, फत्ते रिगरी, खुमेश यदु, प्यारी साहू, जितेंद्र निर्मलकर एवं नारायण साहू आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में गैस की संकट उपभोक्ता परेशान हो रहे है - कांग्रेस

रायपुर। घरेलू गैस की आपूर्ति पिछले एक हफ्ते से बाधित है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि घरेलू गैस नहीं मिल रहा तथा कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई अचानक से रोक दिया गया है। पूरे प्रदेश में गैस के लिए हाहाकार मचा है, बिलासपुर में तो गैस एजेंसियों के सामने लाइन लगी हुई है, उसके बावजूद प्रधानमंत्री और सरकार यह झूठा दावा कर रही है कि कोई कमी नहीं है, पर्याप्त उपलब्धता है। सरकार ने घरेलू गैस के दाम 60 रू. और कमर्शियल गैस के दाम 115 रू. बढ़ा दिया और सरकार उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति भी नहीं कर पा रही है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग होगा।

कृषि विश्वविद्यालय के मेधावी छात्रों को बैंक ऑफबड़ौदा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के तीन मेधावी छात्रों को 12 मार्च 2026 को कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने-अपने शैक्षणिक वर्षों में कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा (बेमेतरा) की प्रथम वर्ष की छात्रा दिलेश्वरी साहू, शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र देविदत्त जेना तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की तृतीय वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया शामिल थीं। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थि को 31,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल छात्रों को और अधिक परिश्रम करने तथा समाज और कृषि क्षेत्र माँ सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक शिक्षण डॉ. ए.के. डेव ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा से आग्रह किया कि वह प्रतिवर्ष अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन करता रहे, जिससे छात्रों को उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों की ओर प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक ऑफबड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रदीप यादव ने कहा कि बैंक किसानों और छात्रों के कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और शिक्षा का उपयोग समाज तथा कृषि समुदाय के उत्थान के लिए करें। उन्होंने समाज के कल्याण और राष्ट्र के आर्थिक विकास में कृषि स्नातकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कृषि स्नातकों के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बैंक आने वाले वर्षों में भी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम जारी रखेगा। समारोह के अंत में बैंक ऑफ बड़ौदा और विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा कृषि क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता के तकनीकी अधिकारी डॉ. रामा मोहन साव्रू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संघर्ष से सफलता तक का सफर , पांचो जयते बनी सफल महिला उद्यमी

बिहान से बदली जिंदगी,मेहनत और हौसले से भरी उड़ान

■ होटल व्यवसाय, मुर्गी पालन और ईंट निर्माण कार्य से हो रही 1 लाख 75 हजार रुपए से अधिक की वार्षिक आय

रायपुर/ संवाददाता

आज ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। ऐसी ही कहानी है मोहला मानपुर अम्बागढ़ जिले की श्रीमती पांचो जयते की, जिन्होंने संघर्ष भरे जीवन से आगे बढ़ते हुए मेहनत, साहस और बिहान मिशन के सहयोग से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया और आज गाँव में एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचानी जाती हैं। श्रीमती पांचो जयते, पूजा ग्राम संगठन के अंतर्गत गायत्री स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने 15 अगस्त 2015 को स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में बदलाव की शुरुआत की। समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वे और उनके पति गाँव में दूसरों के यहाँ मजदूरी करते थे, लेकिन मजदूरी से होने वाली आय से घर की जरूरतें पूरी करना भी कठिन हो जाता था। बच्चों की पढ़ाई और परिवार के बेहतर भविष्य की चिंता उन्हें हमेशा बनी रहती थी। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बिहान मिशन के माध्यम से आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की प्रेरणा मिली। उनके पति को होटल व्यवसाय के बारे में जानकारी थी, इसलिए उन्होंने परिवार की आय बढ़ाने के लिए होटल व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। इसके लिए संकुल और ग्राम संगठन के माध्यम से उन्हें 1 लाख 76 हजार रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस ऋण राशि से उन्होंने

होटल के लिए आवश्यक सामग्री खरीदी और वर्ष 2018 में होटल आजीविका गतिविधि की शुरुआत की। शुरुआत में वे गांव और आसपास के बाजारों में जाकर होटल की दुकान लगाने लगे। धीरे-धीरे लोगों को उनके बनाए भोजन की गुणवत्ता और स्वाद पसंद आने लगा और बाजार में उनकी दुकान की पहचान बनने लगी। ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अब वे सप्ताह में चार अलग-अलग बाजारों में अपनी होटल की दुकान लगाते हैं। ग्राहकों की जरूरत के अनुसार उन्होंने अपने भोजन की गुणवत्ता और मात्रा में भी सुधार किया, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि होने लगी। इस आय से अब वे अपने परिवार की जरूरतों को अच्छे से पूरा कर पा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई में भी सहायता मिल रही है। इससे उनके आत्मविश्वास में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। होटल व्यवसाय के साथ-साथ उन्होंने आय के एक और स्रोत के रूप में मुर्गी पालन शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने 10 सोनाली मुर्गियों से मुर्गी पालन की शुरुआत की। धीरे-धीरे यह कार्य बढ़ता गया और आज वे लगभग 25 मुर्गियों का पालन कर उन्हें बाजार में बेचती हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। बिहान मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें आर.बी.के. के रूप में कार्य करने का अवसर भी मिला। इस कार्य के माध्यम से उन्हें समूह और ग्राम संगठन के दस्तावेजीकरण तथा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के बाद उन्हें 5 पंचायतों के 6 ग्राम संगठनों और लगभग 40 स्वयं सहायता समूहों की जिम्मेदारी दी गई। अब वे समूहों के दस्तावेजीकरण, लेखा-प्रशिक्षण, वित्तीय लेन-देन और ऑडिट कार्य को सफलतापूर्वक कर रही हैं। इस कार्य के लिए उन्हें संकुल स्तर से वार्षिक 24,000 रुपए तथा जिला स्तर से 32,400 रुपए की अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है।

संपादकीय

राष्ट्रपति की गरिमा के खिलाफ

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से राष्टपति द्रौपदी मुर्मू के नौवें अंतर्राष्टीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने के दौरान कथित लापरवाही के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। ये कथित लापरवाही प्रोटोकॉल, मार्ग सुरक्षा और कार्यक्रम स्थल प्रबंधन से संबंधित हैं। पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनैशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्टपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्टपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था। लेकिन, राष्टपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लापरवाही की बात भी कही जा रही है। भारत में राष्टपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्टपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्टपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं।राष्टपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम है, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्टपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने इस चुक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। लेकिन, इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर भाजपा व सत्ताधारी टीएमसी के बीच मानी जा रही।चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। टीएमसी ने केंद्र पर राष्टपति पद के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा।यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्टपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्टपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

देश में विकास की परिभाषा अब भी बड़े ढांचों के इर्द-गिर्द घूमती है। सड़कें, पुल, उद्योग और निवेश के आंकड़े प्रगति के पैमाने माने जाते हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो इस प्रचलित समझ से अलग और नई संभावनाओं की राह दिखाता है। हाल ही में केरल देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने किसी जीवाणु को आधिकारिक रूप से 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। एक ऐसा सुक्ष्म जीव, जिसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता है, वह अब राज्य की पहचान का हिस्सा बन गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा भर नहीं है, बल्कि इसे विज्ञान को नीति और समाज के बीच सेतु बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

नंगी आंखों से अदृश्य लेकिन विकास का नया नायक, केरल ने जीवाणु को बनाया 'राज्य सूक्ष्मजीव'

(मणिमाला शर्मा)

कुछ जीवाणु मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करते हैं, कुछ पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और कुछ रोगों से लड़ने में मदद करते हैं।

देश में विकास की परिभाषा अब भी बड़े ढांचों के इर्द-गिर्द घूमती है। सड़कें, पुल, उद्योग और निवेश के आंकड़े प्रगति के पैमाने माने जाते हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो इस प्रचलित समझ से अलग और नई संभावनाओं की राह दिखाता है। हाल ही में केरल देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने किसी जीवाणु को आधिकारिक रूप से 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। एक ऐसा सुक्ष्म जीव, जिसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता है, वह अब राज्य की पहचान का हिस्सा बन गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा भर नहीं है, बल्कि इसे विज्ञान को नीति और समाज के बीच सेतु बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

इसमें दोराय नहीं कि भारतीय समाज में 'जीवाणु' शब्द आज भी लोगों के भीतर डर पैदा करता है। स्वच्छता अभियानों और स्वास्थ्य चेतावनियों ने इसे बीमारी फैलाने वाले तत्त्व के रूप में स्थापित कर दिया है। नतीजा यह हुआ कि सूक्ष्म जीवों की पूरी दुनिया हमारे लिए संदेह, भय और घृणा का सूचक बन गई। जबकि सच्चाई इससे कहीं अलग है। विकासवाद के सिद्धांत पर गौर करें, तो धरती पर जीवन की शुरुआत ही सूक्ष्मजीवों से हुई।

मिट्टी की उर्वरता, पौधों का पोषण, जल शुद्धिकरण, मानव पाचन तंत्र और प्रतिरक्षा प्रणाली, सब कहीं न कहीं जीवाणुओं पर निर्भर हैं। सभी तरह के जीवाणु समस्या पैदा नहीं करते, बल्कि समस्या हमारी अधूरी और एकांगी समझ है। केरल सरकार का यह कदम इसी मानसिकता को बदलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। यह सूक्ष्म जीवों को समाज में व्याप्त भय के दायरे से बाहर निकालकर समझ के दायरे में लाने की कोशिश है।

दरअसल, केरल सरकार ने आधिकारिक तौर पर 'बैसिलस सबटिलिस' नामक जीवाणु को 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। यह छड़ के आकार का एक लाभकारी जीवाणु है, जो मिट्टी में पाया जाता है और कृषि तथा जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्यों की ओर से समय-समय पर राज्य का पशु, पक्षी या वृक्ष घोषित किया जाता है, जो केवल सांस्कृतिक औपचारिकता मात्र नहीं होता है, बल्कि इसके जरिए समाज को यह बताया जाता है कि प्रकृति तथा पारिस्थितिकी तंत्र के किन हिस्सों, तत्त्वों और संसाधनों की पहचान एवं संरक्षण जरूरी है। ये प्रतीक शिक्षा और चेतना के माध्यम बनते हैं। केरल में 'राज्य सूक्ष्मजीव' की अवधारणा इसी परंपरा का विस्तार है। फर्क बस इतना है कि यह प्रतीक नंगी आंखों से दिखाई नहीं देता। यह कदम बताता है कि अब संरक्षण और सम्मान की परिभाषा को केवल दृश्य जगत तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह विज्ञान को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का प्रयास है।

इसी तरह देखा जाए, तो देश की खेती लंबे समय से रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर निर्भर होती जा रही है। शुरुआत में उत्पादन बढ़ा, लेकिन धीरे-धीरे मिट्टी की सेहत बिगड़ती चली गई। लागत बढ़ी, उपज की गुणवत्ता घटी और किसान आर्थिक दबाव में फंसता गया। ऐसे में लाभकारी जीवाणु आधारित खेती एक वैकल्पिक रास्ता दिखाती है। कुछ जीवाणु मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करते हैं, कुछ पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और कुछ रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। यदि केरल इस पहल के जरिए ऐसे सूक्ष्म जीवों की पहचान को बढ़ावा देता है, तो यह खेती को रसायन-निर्भरता से बाहर निकालने की दिशा में ठोस कदम हो सकता है। केरल का यह कदम कृषि को प्रकृति और विज्ञान के साझा रास्ते पर वापस लाने की संभावना पैदा करता है।

आधुनिक चिकित्सा अब यह मानने लगी है कि शरीर को केवल दवाओं से स्वस्थ नहीं रखा जा सकता। मानव शरीर खुद एक जटिल सूक्ष्मजीव तंत्र है। पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य में भी जीवाणुओं की भूमिका पर लगातार शोध हो रहे हैं। केरल, जो पहले ही सार्वजनिक स्वास्थ्य माडल के लिए जाना जाता है, वह इस पहल के जरिए स्वास्थ्य को अस्पताल और दवा-केंद्रित सोच से आगे ले जाने का संकेत देता है। यह पहल त्वरित नतीजे नहीं दे सकती, लेकिन लंबे समय में समाज को अधिक संतुलित और आत्मनिर्भर बना सकती है।

प्रदूषण, कचरा और जल संकट आज विकास की सबसे बड़ी कीमत बन चुके हैं। इनके समाधान अक्सर महंगे और तकनीक-निर्भर होते हैं। लेकिन प्रकृति के भीतर ही कुछ ऐसे सूक्ष्म समाधान मौजूद हैं, जिन पर हम ध्यान कम ही देते हैं। कुछ जीवाणु गंदे पानी को साफ करने, जैविक कचरे को विघटित करने और प्रदूषकों को निष्क्रिय करने में सक्षम होते हैं। केरल जैसे राज्य में, जहां जल संसाधन और जैव विविधता दोनों अहम हैं, ऐसे समाधान पर्यावरण नीति का हिस्सा बन सकते हैं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण को नारे से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर लाने की संभावना से भरी है।

मगर यहां एक सवाल यह भी उठ रहा है कि कहीं यह पहल केवल कागजों पर प्रतीक बनकर न रह जाए, क्योंकि भारत में प्रतीकों की कमी नहीं है, लेकिन उन्हें जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है। यदि 'राज्य सूक्ष्मजीव' की घोषणा भी केवल अधिसूचना और समारोह तक सीमित रह गई, तो यह हमारे लिए अवसर चूकने जैसा होगा। इस पहल की असली परीक्षा तब होगी, जब इसे शिक्षा, शोध और नीति से जोड़ा जाएगा। स्कूलों के पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालयों के शोध और किसानों एवं पर्यावरण से संबंधित योजनाओं में इसका उपयोग तय करेगा कि यह प्रयोग कितना असरदार साबित हो सकता है।

आत्मनिर्भर भारत की चर्चा अक्सर उद्योग और तकनीक तक सीमित रह जाती है। मगर असली आत्मनिर्भरता तब आएगी, जब भोजन, स्वास्थ्य और तकनीक जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए देश की बाहरी निर्भरता घटेगी। ऐसे में लाभकारी जीवाणु आधारित समाधान सस्ते, स्थानीय और टिकाऊ हो सकते हैं। केरल का यह कदम आत्मनिर्भरता की उसी जैविक व्याख्या की ओर इशारा करता है, जिसमें ज्ञान और प्रकृति सबसे बड़े संसाधन हैं।

हो सकता है कि आम नागरिक के लिए इसका असर तुरंत महसूस न हो, लेकिन लंबे समय में इसके परिणाम आम जीवन से जुड़ने की पूरी संभावना है। इस योजना का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना होना चाहिए कि बेहतर मिट्टी, सुरक्षित भोजन, स्वच्छ जल और संतुलित स्वास्थ्य के साथ-साथ एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जो विज्ञान से डरता नहीं, बल्कि उसे समझने की कोशिश करता है। इस तरह यह पहल नई पीढ़ी को सिखा सकती है कि जीवन केवल दिखाई देने वाली चीजों से ही नहीं चलता, बल्कि उन सूक्ष्म तंत्रों से भी चलता है, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

केरल सरकार की ओर से एक जीवाणु को 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित करने का फैसला आज नया लग सकता है, लेकिन यह भविष्य के लिए नई संभावनाओं को बल देता है। यह याद दिलाता है कि कभी-कभी सबसे बड़े बदलाव वहीं से शुरू होते हैं, जहां हमारी नजर कम जाती है। अगर यह पहल गंभीरता से आगे बढ़ती है, तो देश में वैज्ञानिक चेतना और पर्यावरणीय समझ के विस्तार का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

अपने भीतर लौटने की कला

(सुंदरचंद ठाकुर)

मनुष्य के जीवन में अशांति का सबसे बड़ा कारण यह है कि वह हमेशा बाहर भटकता रहता है। वह सुख को परिस्थितियों में खोजता है, लोगों की स्वीकृति में खोजता है, सफलता और उपलब्धियों में खोजता है। लेकिन जितना अधिक वह बाहर भागता है, उतना ही भीतर का खालीपन बढ़ता जाता है। कारण सरल है। जिस शांति की खोज हम कर रहे होते हैं, उसका स्रोत बाहर नहीं, हमारे अपने अस्तित्व में ही छिपा होता है। हमारे भीतर एक ऐसा स्थान है जो हमेशा शांत है, हमेशा स्थिर है। जीवन की कितनी भी हलचल क्यों न हो, वह भीतर का केंद्र कभी विचलित नहीं होता। वेदांत उसी को हमारा वास्तविक स्वरूप कहता है। वही हमारा होना है, वही हमारी चेतना है। दुख, चिंता और भय मन की अवस्थाएं हैं, पर चेतना इन सबकी साक्षी है। जैसे आकाश में बादल आते जाते रहते हैं, पर आकाश स्वयं कभी प्रभावित नहीं होता। वैसे ही हमारे भीतर का अस्तित्व जीवन की हर घटना को देखता है, पर स्वयं बदलता नहीं। समस्या यह है कि हम अपने मन और विचारों से इतना जुड़ जाते हैं कि अपने असली स्वरूप को भूल जाते हैं। कोई नकारात्मक विचार आया और हम मान बैठे कि वही हमारी सच्चाई है। कोई परिस्थिति कठिन हुई और हमने मान लिया कि जीवन ही बोझ बन गया है। जबकि सच्चाई यह है कि मन के ऊपर चाहे कितने ही घने बादल क्यों न छा जाएं, उनके पीछे नीला आकाश हमेशा मौजूद रहता है। बस हमें उस आकाश की ओर देखना सीखना होता है।

अपने वास्तविक अस्तित्व को पहचानने का रास्ता बहुत कठिन नहीं है। सदियों से हमारे ऋषियों ने इस दिशा की ओर अपने-अपने ढंग से इशारे किए हैं। इस दिशा में बढ़ने का पहला कदम है ज्ञान। जब हम वेदों, उपनिषदों और महान संतों की वाणी पढ़ते हैं, तो धीरे धीरे यह समझ बनने लगती है कि हम केवल शरीर या विचार नहीं हैं। यह समझ हमारे भीतर एक नई दृष्टि जगाती है।

दूसरा रास्ता है ध्यान। जब हम प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठते हैं और अपने भीतर की हलचल को देखते हैं, तब एक नई दूरी बनती है। धीरे धीरे हम अनुभव करने लगते हैं कि विचार आते हैं और चले जाते हैं, भावनाएं उठती हैं और शांत हो जाती हैं, पर जो देख रहा है वह स्थिर रहता है। यही अनुभव हमें अपने असली स्वरूप के करीब ले जाता है।

तीसरा मार्ग है सात्विक जीवन। जब हमारा भोजन, हमारा व्यवहार और हमारी दिनचर्या संतुलित और सरल होती है, तब मन भी धीरे धीरे शांत होने लगता है। एक शांत मन ही अपने भीतर की गहराई को पहचान सकता है। अशांत मन हमेशा बाहर भटकता रहता है। और जब एक बार मनुष्य अपने उस वास्तविक अस्तित्व की झलक पा लेता है, तब जीवन बदलने लगता है। वह अनुभव ऐसा होता है जैसे किसी ने अमृत का स्वाद चखा हो। उस शांति और आनंद के बाद संसार की छोटी छोटी उपलब्धियां भी अपना आकर्षण खोने लगती हैं। तब मनुष्य बाहर की चीजों का उपयोग तो करता है, पर उनका दास नहीं बनता। शायद जीवन की सबसे बड़ी खोज यही है कि हम उस स्रोत को पहचान लें जो हमेशा हमारे भीतर मौजूद है। जब भी जीवन भारी लगे, जब भी मन उलझ जाए, बस एक क्षण ठहर कर अपने भीतर लौटना याद रखें। क्योंकि वहीं वह शांति है जिसकी तलाश में हम पूरी दुनिया में भटकते रहते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

एआई की दौड़ में कौन जीतेगा शक्ति की बाजी, बदलती वैश्विक ताकत का नया समीकरण

इन सभी आयामों का मूल तत्त्व है डेटा और उसे संसाधित करने की क्षमता। कृत्रिम मेधा को अब केवल साफ्टवेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह ऊर्जा, तेल या सेमीकंडक्टर की तरह एक रणनीतिक संसाधन का रूप ले चुकी है। जिस इकाई के पास उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना, विशाल डेटा भंडार और उन्नत 'एल्गोरिद्म' क्षमता है, वह आर्थिक और सामरिक निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। इस बदलते परिदृश्य में शक्ति का पारंपरिक संतुलन केवल सैन्य या भौगोलिक कारकों से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि तकनीकी दक्षता और डिजिटल अवसंरचना भी उसकी दिशा तय करेगी।

(धीरज यादव)

चौथी औद्योगिक क्रांति के इस दौर में कृत्रिम मेधा (एआइ) केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्पादन, शासन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की केंद्रीय शक्ति बनती जा रही है। स्वचालन, मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण पर आधारित प्रणालियां विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्र तक उत्पादकता की प्रकृति बदल रही हैं। सैन्य क्षेत्र में स्वायत्त प्रणालियां, खुफिया विश्लेषण और निगरानी तकनीक रणनीतिक क्षमता को प्रभावित कर रही हैं। साइबर सुरक्षा में हमलों की पहचान और रोकथाम के लिए एआइ आधारित तंत्र अनिवार्य होते जा रहे हैं।

इन सभी आयामों का मूल तत्त्व है डेटा और उसे संसाधित करने की क्षमता। कृत्रिम मेधा को अब केवल साफ्टवेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह ऊर्जा, तेल या सेमीकंडक्टर की तरह एक रणनीतिक संसाधन का रूप ले चुकी है। जिस इकाई के पास उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना, विशाल डेटा भंडार और उन्नत 'एल्गोरिद्म' क्षमता है, वह आर्थिक और सामरिक निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। इस बदलते परिदृश्य में शक्ति का पारंपरिक संतुलन केवल सैन्य या भौगोलिक कारकों से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि तकनीकी दक्षता और डिजिटल अवसंरचना भी उसकी दिशा तय करेगी।

अब कृत्रिम मेधा का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। विनिर्माण, साजो-सामान, स्वास्थ्य और वित्त जैसे क्षेत्रों में एआइ आधारित स्वचालन तथा विश्लेषण से उत्पादकता में वृद्धि दर्ज की गई है। अंतरराष्टीय वित्तीय संस्थानों की रपटें यह बताती हैं कि डेटा विश्लेषण एवं मशीन 'लर्निंग' से निर्णय प्रक्रिया तेज होती है और संसाधनों का उपयोग अधिक कुशल बनता है। इससे पूंजी निर्माण की प्रकृति भी बदल रही है। पारंपरिक भौतिक संपत्तियों की तुलना में अब डेटा, एल्गोरिद्म और कंप्यूटिंग क्षमता नई पूंजी के रूप में उभर रहे हैं।

इस परिवर्तन का एक महत्त्वपूर्ण आयाम सेमीकंडक्टर उद्योग और 'क्लाउड' अवसंरचना है। उन्नत चिप निर्माण और उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर एआइ विकास की आधारशिला हैं। जिन देशों और कंपनियों के पास अत्याधुनिक चिप डिजाइन, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक क्लाउड नेटवर्क हैं, वे तकनीकी मूल्य शृंखला के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण बनाए रखते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था में कुछ बड़े वैश्विक मंचों का केंद्रीकरण यह दर्शाता है कि डेटा और नेटवर्क प्रभाव से बाजार संरचना सिमट सकती है।

जाहिर है, जिनके पास उन्नत एआइ माडल, व्यापक डेटा संसाधन और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना है, वही वैश्विक मूल्य शृंखला के निर्णायक बिंदुओं पर प्रभाव रखते हैं। इससे आर्थिक शक्ति की पारंपरिक परिभाषा का विस्तार हुआ है, जिसमें तकनीकी क्षमता और डिजिटल नियंत्रण केंद्रीय तत्त्व बनते जा रहे हैं।

इस आर्थिक संरचना ने तकनीकी कंपनियों की भूमिका को भी असाधारण रूप से विस्तारित किया है। एआइ के विकास ने बड़ी तकनीकी कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका प्रदान की है। उनके मंच, क्लाउड नेटवर्क और उन्नत एआइ माडल करोड़ों उपयोगकर्ताओं, वित्तीय लेन-देन और सूचना प्रवाह को संचालित करते हैं। इस कारण उनकी नीतियां और तकनीकी निर्णय अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, मीडिया संरचना और यहां तक कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित कर सकते हैं। मगर यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि ये कंपनियां पूर्णतः स्वायत्त इकाइयां नहीं हैं। वे राष्टीय कानूनों, डेटा संरक्षण नियमों, प्रतिस्पर्धा आयोगों और निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं से बंधी रहती हैं।

अमेरिका और चीन के बीच चल रही तकनीकी प्रतिस्पर्धा इसका स्पष्ट उदाहरण है। उन्नत एआइ चिप और सेमीकंडक्टर उपकरणों के निर्यात पर लगाए गए नियंत्रण यह दर्शाते हैं कि अंतिम नियामक शक्ति अभी भी राष्ट-राज्य के पास है। इसी प्रकार यूरोप में डिजिटल बाजार कानून और डेटा संरक्षण विनियम तकनीकी कंपनियों के संचालन पर प्रभाव डालते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि निगमित शक्ति और राज्य शक्ति के बीच सीधा प्रतिस्थापन नहीं, बल्कि एक जटिल अंतर-संबंध विकसित हो रहा है।

वर्तमान परिदृश्य में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि निगमित और राज्य के बीच शक्ति संतुलन का नया समीकरण बन रहा है। तकनीकी नवाचार और पूंजी निगमित संरचनाओं में केंद्रित हैं, जबकि वैधानिक अधिकार और सामरिक नीति निर्माण राष्ट या राज्य के हाथ में है। भविष्य की कृत्रिम मेधा इसी अंतःक्रिया से आकार ले सकती है, जहां तकनीकी क्षमता और राजनीतिक संप्रभुता एक-दूसरे को प्रभावित करती रहेंगी।

एआइ का सैन्य और रणनीतिक आयाम इस विमर्श को और गंभीर बनाता है। अनेक देश स्वायत्त या अर्ध स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर शोध कर रहे हैं, जिनमें लक्ष्य पहचानने, निगरानी और निर्णय में सहायता के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां प्रयोग में लाई जा रही हैं। रक्षा विश्लेषण और खुफिया जांच में एआइ आधारित डेटा प्रोसेसिंग से विशाल सूचना का त्वरित आकलन संभव हुआ है। इससे युद्ध क्षेत्र की समझ और प्रतिक्रिया समय, दोनों प्रभावित होते हैं।

जटिल साइबर हमलों की पहचान, नेटवर्क असमानताओं का विश्लेषण और स्वचालित रक्षा तंत्र अब एल्गोरिद्मिक प्रणालियों पर आधारित हैं। दूसरी ओर, आक्रामक साइबर क्षमताओं में भी स्वचालित उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे डिजिटल अवसंरचना रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गई है।

इसके साथ ही निगरानी प्रणालियों और डेटा विश्लेषण के माध्यम से राज्य अपनी आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक गतिविधियों पर अधिक व्यापक नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं। चेहरा पहचान तकनीक, व्यवहार विश्लेषण और संचार निगरानी जैसी व्यवस्थाएं सार्वजनिक नीति और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन का प्रश्न उठाती हैं। इस प्रकार कृत्रिम मेधा केवल आर्थिक शक्ति का साधन नहीं, बल्कि सैन्य और सामरिक संरचना का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जो वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत की स्थिति विशिष्ट है। पिछले एक दशक में देश ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का एक ऐसा माडल विकसित किया है, जिस पर अंतरराष्टीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित हुआ है। आधार, यूपीआइ और डिजिटल पहचान तंत्र ने सेवा वितरण, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता में संरचनात्मक बदलाव किया है।

यह ढांचा एआइ अनुप्रयोगों के लिए एक आधार प्रदान करता है, क्योंकि बड़े पैमाने पर डिजिटल लेन-देन और डेटा प्रवाह नवाचार की संभावनाएं खोलते हैं। इसके साथ ही डेटा संप्रभुता का प्रश्न गंभीर होता जा रहा है। यदि भारतीय नागरिकों और संस्थानों से उत्पन्न डेटा का विश्लेषण और मूल्य सृजन किसी विदेशी मंच पर केंद्रित रहता है, तो आर्थिक लाभ और रणनीतिक नियंत्रण दोनों सीमित हो सकते हैं। इसलिए यह बहस केवल गोपनीयता की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक हित से भी जुड़ी हुई है।

समकालीन विश्व व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां शक्ति की परिभाषा विस्तार ले रही है। पारंपरिक रूप से सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव को शक्ति का प्रमुख आधार माना जाता रहा है, मगर अब डेटा, एल्गोरिद्म और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना भी उसी श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे एआइ को केवल बाजार शक्ति या सीमित निगमित हित का साधन बनने से कैसे रोकें।

पारदर्शिता, नियमन, प्रतिस्पर्धा नीति और सार्वजनिक निवेश के माध्यम से एआइ को व्यापक सामाजिक हित में रूपांतरित किया जा सकता है। यदि ऐसा संतुलन स्थापित होता है, तो तकनीकी प्रगति लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकती है। अन्यथा शक्ति का केंद्रीकरण नई असमानताओं को जन्म दे सकता है।

अपहरण कर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी यूपी से गिरफ्तार, कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कांकेर। कांकेर नाबालिग बालिका का अपहरण कर उसके साथ अनाचार करने वाले आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 6 मार्च 2026 की रात एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी निखिल राखेचा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की मदद से सुराग जुटाते हुए पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के नारायणी पहुंची, जहाँ से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया और बालिका को सुरक्षित बरामद किया गया। धमतरी का रहने वाला है आरोपी पकड़ा गया आरोपी पुनेश्वर नेताम (21 वर्ष), धमतरी जिले के ग्राम पालवाड़ी (थाना दुकली) का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रतीक बनसोडे, महिला प्रधान आरक्षक किरण परिहार और साइबर सेल की टीम की मुख्य भूमिका रही।पुलिस की अपीलः कांकेर पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।प्रमुख बिंदु (Highlight Bo& के लिए)वारदातः 6 मार्च को हुआ था नाबालिग का अपहरण।लोकेशनः उत्तर प्रदेश के नारायणी से हुई गिरफ्तारी।धाराएं: 64(1), 65 (1) BNS और 4 पॉक्सो एक्टके तहत केस दर्ज।

कोंडागांव एथेनॉल संयंत्र मामले में प्रशासनिक समीक्षा तेज

कई दावों के बीच तथ्यात्मक तस्वीर भी आई सामने

कोण्डागांव। जिले के एथेनॉल संयंत्र को लेकर हाल में विरोध, तोड़फोड़ और स्थानीय असंतोष की घटनाओं के बाद प्रशासन ने मामले की समीक्षा तेज कर दी है। संयंत्र को फिलहाल एहतियातन अस्थायी रूप से बंद रखा गया है और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। प्लांट से जुड़ी खबरों के जाँच पड़ताल में यह सामने आया है कि प्रशासन प्लांट के संरचना, संचालन व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन तथा आवश्यक तकनीकी सुधारों की समीक्षा कर समस्याओं के निराकरण हेतु मंथन कर रहा है।जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से ग्रामीणों द्वारा उठाई जा रही शिकायतों को लेकर संयंत्र प्रबंधन, प्रशासन और स्थानीय स्तर पर कई दौर की चर्चा हुई थी। ग्राम स्तरीय समन्वय के माध्यम से संवाद स्थापित करने और शिकायतों के समाधान के लिए चरणबद्ध उपायों पर भी काम किया गया था। हालिया घटना के बाद अब यह माना जा रहा है कि तकनीकी सुधार, संरचनात्मक पुनरावलोकन और स्थानीय समुदाय के साथ निरंतर संवाद, तीनों पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

स्थानीय लोगों को रोजगार देने संबंधी शिकायत की पड़ताल – स्थानीय रोजगार को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उपलब्ध आंकड़े

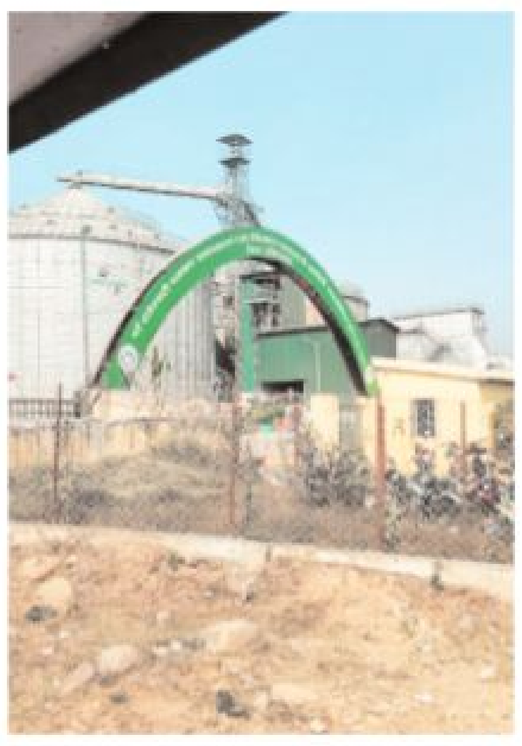

एक अलग तस्वीर भी सामने रखते हैं। घटना के समय संयंत्र में कुल 235 कार्मिक कार्यरत थे। इनमें से 192 कार्मिक छत्तीसगढ़ से थे, जो कुल कार्यबल का लगभग 82 प्रतिशत है, जबकि 128 कार्मिक कोंडागांव जिले से थे, जो कुल कार्यबल का लगभग 55 प्रतिशत है। अकुशल श्रेणी में 74 में से 64 कार्मिक कोंडागांव जिले से थे, यानी लगभग 87 प्रतिशत, जबकि ठेका श्रमिक श्रेणी में 48 में से 46 श्रमिक कोंडागांव जिले से थे, यानी लगभग 96 प्रतिशत। वहीं कुशल श्रेणी में भी 103 में से 63 कार्मिक छत्तीसगढ़ से थे, जो लगभग 61 प्रतिशत है। इन आंकड़ों के बाद स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलने संबंधी व्यापक धारणा पर अब नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है।

संवाद ही समाधान का एक मात्र रास्ता -सूत्रों के मुताबिक, प्रबंधन द्वारा आवश्यक सुधारात्मक कार्यों के लिए रोडमैप बनाया जा रहा है ताकि भविष्य में शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक संरचनात्मक एवं तकनीकी सुधार किए जाये। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता शांति, सुरक्षा, तकनीकी समीक्षा और ग्रामीणों से चर्चा कर तथ्याधारित समाधान कर ग्रामीणों से संवाद निकले जाने पर केंद्रित बताई जा रही है।

प्लांट संचालन में प्रबंधन के मनमानी की पड़ताल

समिति के प्रशासनिक संचालन को लेकर भी स्थिति सामान्य सहकारी संस्थाओं से कुछ अलग है। बताया जा रहा है कि यह एक सहकारी समिति है, जिसमें अभी तक निर्वाचन संपन्न नहीं हुए हैं। इसी कारण वर्तमान में जिला कलेक्टर, कोंडागांव, पदेन प्रभारी अधिकारी / अध्यक्ष के रूप में इसकी देखरेख कर रहे हैं। साथ ही समिति के कार्यों के संचालन एवं प्रबंधन हेतु अध्यक्ष के नेतृत्व में 15 सदस्यीय संचालक मंडल भी कार्यरत है। प्रशासनिक स्तर पर निर्णय इसी औपचारिक व्यवस्था के अंतर्गत लिए जा रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संस्था का संचालन एक व्यवस्थित, संस्थागत और निगरानीयुक्त तंत्र के भीतर हो रहा है।

मक्का खरीदी संबंधी सवाल की पड़ताल

मक्का खरीदी को लेकर भी कई तरह की शिकायते हुई, जिनके पड़ताल में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संयंत्र द्वारा मक्का की खरीदी OMCs से प्राप्त आवंटन के आधार पर की गई थी। संबंधित अवधि में लगभग 4399 मीट्रिक टन मक्का, जिसकी कुल कीमत करीब 10.56 करोड़ रुपए बताई जा रही है, खरीदा गया। सूत्रों का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया FAQ मानकों एवं पूर्व से लागू दिशा-निर्देशों के अनुसार की गई थी। खास बात यह भी बताई जा रही है कि जिस समय खुले बाजार में मक्का का भाव लगभग 16.17 रुपए प्रति किलोग्राम था, उस समय किसानों से लगभग 24 रुपए प्रति किलोग्राम (MSP दर) पर खरीदी की जा रही थी। ऐसे में किसानों को मनमाने ढंग से खरीदी से वंचित किए जाने संबंधी दावों को भी अब उपलब्ध रिकॉर्ड और निर्धारित मानकों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

दंतेशपुरम के जंगल में नक्सल स्मारक ध्वस्त ग्रामीणों के साथ मिलकर सुरक्षा बलों ने लगाया पौधा

कोंटा। नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सीआरपीएफ की 219वीं बटालियन द्वारा चलाए जा रहे एरिया डोमिनेशन और सर्च ऑपरेशन के दौरान दंतेशपुरम क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा बनाए गए स्मारकों को ध्वस्त किया गया। जानकारी के अनुसार मैलासूर और दंतेशपुरम गांव के जंगल क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सुरक्षा बलों की टीम ने ग्राम दंतेशपुरम में नक्सलियों द्वारा निर्मित तीन नक्सल स्मारकों को ग्रामीणों की मौजूदगी और सहभागिता में सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। स्मारक हटाने के बाद उसी स्थान पर सुरक्षा बलों और ग्रामीणों ने मिलकर पौधा रोपण भी किया। ये स्मारक नक्सली संगठन द्वारा अपने मारे गए कैडर की स्मृति में बनाए गए थे। संगठन इनका उपयोग स्थानीय ग्रामीणों पर सुरक्षा बलों के खिलाफ नकारात्मक प्रभाव डालने और अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए करता था। ऑपरेशन के दौरान पूरे इलाके में गहन सर्चिंग की गई, ताकि किसी भी प्रकार की नक्सल गतिविधि की मौजूदगी की संभावना को खत्म किया जा सके। यह अभियान शांतिपूर्ण तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

इंटक यूनियन के बैनर तले महिलाओं ने निकाली विशाल मशाल रैली

दंतेवाड़ा। लौहनगरी किरंदुल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक आयोजन हुआ। इंटक यूनियन के बैनर तले स्थानीय महिलाओं ने शनिवार शाम 07 बजे पहली बार विशाल मशाल रैली निकाली, जिसने पूरे क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम की। रैली की शुरुआत फुटबॉल ग्राउंड से हुई,जहां सैकड़ों महिलाएं मशालें थामे एकजुट हुईं। वे पैदल मार्च करते हुए गांधी भवन तक पहुंचीं। इस दौरान रैली में शामिल महिलाओं ने नारे लगाए और समाज में महिलाओं की समानता, सुरक्षा व सम्मान की मांग को बुलंद किया। गांधी भवन पहुंचने पर आयोजकों ने महिलाओं का जोरदार स्वागत किया और कई प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। यह आयोजन किरंदुल के इतिहास में पहली बार हुआ जब महिलाओं ने खुद मशाल रैली का नेतृत्व किया। खास बात यह रही कि रैली में न केवल महिलाएं बल्कि किरंदुल के विभिन्न वर्गों के लोग भी शामिल हुए, जिससे यह एक सामुदायिक उत्सव में तब्दील हो गया। इंटक के स्थानीय नेताओं ने बताया कि यह रैली सिर्फ एक जुलूस नहीं, बल्कि महिलाओं की एकजुटता और उनकी आवाज को मजबूत करने का प्रतीक है। खासकर बस्तर जैसे क्षेत्र में जहां महिलाएं कई चुनौतियों का सामना करती हैं, यह पहल साहस और बदलाव की मिसाल बनी। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो दिखाती है कि छोटे-छोटे कदमों से भी समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

प्लास्टिक मुक्त बनने की ओर बढ़ीं बस्तर की तीन पंचायतें, महिला शक्ति निभा रही अहम भूमिका

जगदलपुर। जिले के जनपद पंचायत बस्तर के अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी, टिकनपाल और बालेंगा को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस उद्देश्य से शनिवार को तीनों पंचायतों में विशेष बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समग्र ग्राम विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान सरपंच, उपसरपंच, वार्ड पंच, ग्रामीणों तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने और सकारात्मक प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

इस अभियान में महिला शक्ति की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं घर-परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही हैं। महिलाएं ग्रामीणों को एकल उपयोग प्लास्टिक के नुकसान के बारे में बता रही हैं और कपड़े के थैले तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनके प्रयासों से परिवार स्तर से लेकर पूरे गांव तक प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल हो रही है। बैठक में ग्रामीणों को बताया गया कि एक आदर्श और स्वस्थ गांव का निर्माण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी क्रम में घर-घर कचरा पृथक्करण (सेग्रिगेशन) पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को समझाया गया कि यदि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखा जाए तो कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन अधिक आसान और प्रभावी हो सकता है। साथ ही गांव की गलियों को स्वच्छ रखने के लिए घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी सहमति बनी। स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए घरेलू शौचालयों के नियमित उपयोग पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि खुले में शौच की प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त कर ही गांव के स्वास्थ्य स्तर में वास्तविक सुधार लाया जा सकता है। बैठक के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और महिला समूहों ने मिलकर अपने गांव को स्वच्छ, स्वस्थ और प्लास्टिक मुक्त मॉडल ग्राम पंचायत बनाने की शपथ ली। स्वच्छ भारत मिशन टीम जनपद पंचायत बस्तर के मार्गदर्शन में आयोजित इन बैठकों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक पहल की मजबूत नींव रखी है।

एनएमडीसी टाउनशिप ओडीएस स्टोर रूम से चोरी किये कॉपर तार बरामद, 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

किरंदुल। थाना प्रभारी किरन्दुल संजय यादव व स्टाफ द्वारा लगातार अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतुलगातार कार्यवाही जारी हैं।दिनांक 16 फरवरी 2026 को प्रार्थी वीरन्ना वी वरिष्ठ प्रबंधक इलेक्ट्रिकल विभाग एनएमडीसी किरन्दुल थाना उपस्थित होकर लिखित आवेदन पेश किया कि घटना 10 फरवरी के रात्रि 01:55 बजे से 04:30 बजे के बीच एनएमडीसी इलेक्ट्रिकल टाउनशिप ओडीएस स्टोर का फेंसिंग तार को काटकर स्टोर रूम का दरवाजा को तोड़कर स्टोर अंदर घुसकर उसमें रखे इलेक्ट्रिकल सामान कुल कीमत 87 हज़ार रू. की चोरी की रिपोर्ट बाद अज्ञात चोरों का लगातार पतासाजी किया जा रहा था, तकनीकी साक्ष्य के आधार पर संदिग्ध मोबाईल नंबरो का बारिकी से अवलोकन करने पर घटना के समय उपयोग किये गये मोबाईल नंबर के आधार पर संदेही का पतासाजी हमराह स्टॉफ के रवाना होकर आरोपी साहिल भास्कर,अनिल कुंजाम दोनों निवासी-कलेपाल एवं अजय मुचाकी पिता निवासी-नकुलनार पटेलपारा हाल-वार्ड क्र. 18 पटवारीपारा किरन्दुल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार करते हुये चोरी किये गये सामान एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को जप्त किया गया है। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया हैं।

किरन्दुल वार्ड क्रमांक 3 में किया गया मकान सूचीकरण का कार्य

किरंदुल। जनगणना 2027 के तहत किरन्दुल के विभिन्न वार्डों में मकानसूचीकरण का कार्य किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में रविवार को वार्ड क्रमांक 03 में मकान सूचीकरण का कार्य किया गया। जिसमें पालिका कर्मचारियों द्वारा घर घर जाकर मकान में क्रमांक लिखा गया। नगरपालिका सीएमओ शशिभूषण महापात्र ने पब्लिक एप को जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 03 में कुल 126 घरों में मकान क्रमांक दर्ज किया गया हैं साथ ही नगर के पूरे 18 वार्ड में उक्त कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराया जाएगा।

नव नियुक्त बीईओ एसके दीप से शिक्षकों की मुलाकात, लंबित प्रकरणों के जल्द निराकरण की मांग

कोंटा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंटा के प्राचार्य एस. के. दीप को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) का दायित्व सौंपे जाने के बाद क्षेत्र के शिक्षकों में खुशी का माहौल है। पदभार ग्रहण करने के पश्चात शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने नव नियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। प्रतिनिधि मंडल ने इस अवसर पर शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और शिक्षकों के लंबित प्रकरणों पर चर्चा की। शिक्षकों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी से अनुरोध किया कि लंबे समय से लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि शिक्षकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से वर्ष 2017 से लंबित एरियर्स की राशि का भुगतान, संतान पालन अवकाश, चिकित्सा अवकाश तथा अन्य कारणों से रुके हुए वेतन के भुगतान को प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द जारी कराने की मांग रखी। शिक्षकों ने कहा कि इन लंबित प्रकरणों के समाधान से न केवल शिक्षकों को राहत मिलेगी, बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ेगा और वे और अधिक उत्साह के साथ शिक्षण कार्य कर सकेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक विश्वनाथ सिंह नाग, एस. आर. नाग, सुशील कुमार श्रीवास, गोपाल नायडू, टी. श्रीनिवास राव, एम. चंद्रशेखर राव, सूर्यकुमार सिंह, डी. बी. एस. प्रसाद, अक्तूराम निषाद सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। नव नियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस. के. दीप ने शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं और लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विभाग स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि शिक्षकों को समय पर उनका अधिकार मिल सके।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का आपसी सहमति से हुआ निराकरण

दंतेवाड़ा। वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के अंतर्गत किया गया। यह लोक अदालत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दंतेवाड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुकमा, बीजापुर तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बचेली के साथ-साथ तीनों राजस्व जिलों दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के राजस्व न्यायालयों में एक साथ आयोजित की गई। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय सदन के सभा कक्ष में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार आदित्य द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों, न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का आपसी सहमति से समाधान होता है, जिसमें किसी भी पक्षकार की हार नहीं होती। इससे पक्षकारों के बीच आपसी प्रेम और सदभाव बना रहता है तथा वैमनस्यता और शत्रुता समाप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा नेशनल लोक अदालत में गठित विभिन्न खंडपीठों का निरीक्षण भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

चेरत्तला स्टेशन में बिलासपुर-तिरुनेलवेली बिलासपुर एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण रेलवे के तिरुअनंतपुरम मंडल के चेरत्तला स्टेशन में गाड़ी संख्या 22619/22620 बिलासपुर–तिरुनेलवेली–बिलासपुर एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। दिनाँक 17 मार्च 2026 से बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22619 बिलासपुर–तिरुनेलवेली एक्सप्रेस चेरत्तला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी चेरत्तला स्टेशन 20.24 बजे पहुंचेगी तथा 20.25 बजे रवाना होगी 7 दिनाँक 22 मार्च 2026 से तिरुनेलवेली से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22620 तिरुनेलवेली–बिलासपुर एक्सप्रेस चेरत्तला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी चेरत्तला स्टेशन 07.14 बजे पहुंचेगी तथा 07.15 बजे रवाना होगी

गर्मी में यात्रियों को राहत देने की पहल बिलासपुर मंडल के स्टेशनों पर निःशुल्क प्याऊ स्थापना को प्रोत्साहन

बिलासपुर। गर्मी के मौसम में रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिलासपुर रेल मंडल द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। मंडल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं वेलफेयर एसोसिएशनों के सहयोग से नि:शुल्क प्याऊ स्थापित किए जाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है सामान्यत: गर्मी के मौसम में विभिन्न सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थान तथा वेलफेयर एसोसिएशन यात्रियों की सेवा के उद्देश्य से स्टेशनों पर प्याऊ के माध्यम से नि:शुल्क पेयजल उपलब्ध कराने के इच्छुक रहते हैं। इसी भावना को प्रोत्साहित करते हुए बिलासपुर रेल मंडल द्वारा ऐसी संस्थाओं को रेलवे स्टेशनों पर प्याऊ स्थापित करने के लिए सहयोग और आवश्यक अनुमति प्रदान की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि मंडल रेल प्रशासन गर्मी के मौसम में यात्रियों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके साथ ही स्टेशनों पर पेयजल की अतिरिक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संस्थाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को भी नि:शुल्क प्याऊ खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में रेल यात्रियों को नि:शुल्क पेयजल उपलब्ध कराना तथा सामाजिक भागीदारी के माध्यम से यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाना है। इस संबंध में बिलासपुर मंडल के सभी सेक्शनल वाणिज्य निरीक्षकों एवं वाणिज्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्थानीय एनजीओ, वेलफेयर एसोसिएशन तथा अन्य स्वैच्छिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर नि:शुल्क प्याऊ स्थापित करने के लिए त्वरित अनुमति प्रदान करें, ताकि यह व्यवस्था सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सके। रेलवे प्रशासन ने सामाजिक संगठनों, संस्थानों तथा इच्छुक व्यक्तियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी रेलवे स्टेशनों के वाणिज्य निरीक्षकों से संपर्क कर स्टेशनों पर प्याऊ स्थापित कर यात्रियों की सेवा में अपना योगदान दें। यह पहल न केवल यात्रियों को राहत प्रदान करेगी, बल्कि सामाजिक सहभागिता के माध्यम से जनसेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत करेगी।

थोक में पटवारियों के तबादले, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

बलरामपुर। जिले में हाल ही में सामने आए अवैध अफीम की खेती के मामलों के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने एक साथ 58 पटवारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। इस निर्णय के तहत कई तहसीलों में वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ पटवारियों को हटाकर अन्य स्थानों पर भेजा गया है। जारी आदेश के अनुसार राजपुर, रामानुजगंज, कुसमी, वाड्रफनगर, शंकरगढ़, रघुनाथनगर और बलरामपुर सहित कई तहसीलों के पटवारियों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण किया गया है। प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राजस्व व्यवस्था में कसावट लाना, कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ कर्मचारियों के कारण बन रही प्रशासनिक ढिलाई को दूर करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार हाल के दिनों में जिले के विभिन्न इलाकों में अवैध अफीम की खेती के मामले सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सवाल उठ रहे थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने राजस्व तंत्र में सख्ती दिखाते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पटवारियों के तबादले को प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

गौवंश संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

देवीगंज में जिले के प्रथम सुरभि गौधाम का वर्चुअल शुभारंभ किया

■ **मुख्यमंत्री ने किया गौधाम योजना का शुभारंभ निराश्रित गौवंश को मिलेगा सुरक्षित आश्रय**

बलरामपुर। निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके समुचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा गौधाम योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के माध्यम से गौवंशीय पशुओं को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के साथ ही वैज्ञानिक पद्धति से उनके संरक्षण और प्रबंधन की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गौधाम लाखासार एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रेक्षागार, बिलासपुर से गौधाम योजना का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थापित गौधामों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण भी किया गया। इसी क्रम में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के प्रथम सुरभि गौधाम श्याम-श्यामा गौशाला, देवीगंज का भी वर्चुअल रूप से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव, गौसेवा आयोग के जिला अध्यक्ष श्री आषीष केषरी, जिला पंचायत सदस्य श्री बद्री यादव, जनपद उपाध्यक्ष श्री सुनील तिवारी, गणमान्य नागरिक श्री भानूप्रकाष दीक्षित, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी जूड़ रही है। जिसके तहत 29 गौधाम का शुभारंभ किया जा रहा है, जिसमें गौवंषीय पशुओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देष में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है और गौवंष की सेवा करना हमारा कर्तव्य ही

नहीं हमारा धर्म भी है। गौधाम योजना के तहत प्रषिक्षण केन्द्र का भी शुभारंभ किया जाएगा, जिसमें कृषकों एवं पशुपालकों को प्रषिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की मंषा है कि पशुपालकों की आय में वृद्धि हो इसके लिए विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है, जिसमें पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि आज हमारे लिए ऐतिहासिक दिन है, आज मुख्यमंत्री के द्वारा गौधाम योजना का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार निराश्रित एवं घुमंतू आवारा पशुओं की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत आज 29 गौधाम का शुभारंभ हुआ है। गौधाम में सड़कों पर घुमने वाले निराश्रित आवारा पशुओं को रखा जाएगा। जहां उनके लिए समुचित व्यवस्था होगी। साथ ही उनके देखभाल के लिए गौसेवक भी रहेंगे, जिन्हें शासन द्वारा मानदेय भी दिया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई गौधाम योजना ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित एवं घुमंतू गौवंश के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से गौवंशीय पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, उचित देखभाल एवं चारे-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा, ताकि गौवंश संरक्षण के साथ-साथ गांवों में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण का निर्माण हो सके। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंह देव ने कहा कि गौधाम योजना के माध्यम से निराश्रित एवं घुमंतू गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इस योजना से गांवों एवं शहरों में खुले में घूमने वाले गौवंश को सुरक्षित स्थान मिलेगा और सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी भी आएगी।

जनजातीय कृषकों के जीविकोपार्जन संवर्धन हेतु किसान सम्मेलन आयोजित

रामानुज नगर। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित संकुल आधारित पलायन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत सिंदूरी में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया ए पी ओ का मुख्य उद्देश्य पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना पशु बीमा की सुविधा उपलब्ध कराना पशुओं को उचित मूल्य पर बेचने के लिए सीधा संपर्क एफ़पी ओ से जुड़े किसानों को उचित दर पर समय पर खाद बीज उपलब्ध कराना किसानों के लिए कृषि यंत्र उपलब्ध कराना जैविक खाद दवा तकनीकी उपलब्ध कराना जिला प्रखंड सरकारी योजनाओं का जानकारी देना किसानों को केसीसी लोन दिलाने में मदद करना कृषि उत्पादक खरीद बिक्री के लिए मंडी से जोड़ना महिलाओं एवं युवाओं को उद्यमी की ओर

जोड़ना कार्यक्रम में सुश्री अखिला नायर जी एन स डी सी जनजातीय कौशल विकास नई दिल्ली व राहुल टीकू जी बोर्ड मेंबर आई एस डी जी रिसर्च फाउंडेशन श्री अनुपम तिवारी जी डी डी एम सरगुजा राजलाल राजवाड़े जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि कवल साय सिंह जनपद सदस्य दीपनारायण सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह मरावी मंडल अध्यक्ष अ ज जा मोर्चा रोहित सिंह जनपद सदस्य नील बरन सिंह जनपद सदस्य प्रतिनिधि सिंदूरी सरपंच गणेशिया सिंह आई एस डी जी रिसर्च फाउंडेशन से प्रभु शाह,कृष्ण कुमार कुशवाहा, प्रदीप कुमार,भूपत राजवाड़े एफ पी ओ से विनय साहू, सी ई ओ अमित कुर्मी व सभी ग्रामीण उपस्थित थे।

17 मार्च से 21 अप्रैल तक जिले में चलेगा ''शिशु संरक्षरण माह...

सूरजपुर संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेन्द्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आहुत की गई, जिसमें जिले की विभिन्न प्राथमिकताओं पर गहन चर्चा एवं समीक्षा की गई। बैठक में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक संचालित होने वाले शिशु संरक्षण माह अभियान के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। सीईओ श्री पाटले ने स्वास्थ्य विभाग को अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु माइक्रो स्तर पर कैलेंडर आधारित कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित

विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। यह अभियान 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों पर केंद्रित है, जिसके तहत विटामिन-ए सिरप, आयरन सिरप वितरण, टीकाकरण, पोषण जांच तथा स्वास्थ्य शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों को बी.सी.जी., हेपेटाइटिस बी, डी.पी.टी., ओ.पी.वी., मीजल्स-रूबेला तथा पेंटावेलेंट के टीके लगाए जाएंगे। बैठक में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले कुदरगढ़ महोत्सव के सफल संपादन को लेकर भी गहन समीक्षा की गई। महोत्सव की तैयारियों और व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों से उनके निर्धारित दायित्वों की अद्यतन जानकारी ली गई। इसके साथ ही जिले के विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने 12वी बोर्ड परीक्षा का किया गया निरीक्षण

सारंगढ। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला पीएमश्री आत्मानंद स्कूल में 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी प्रश्न पत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ साथ उन्होंने पीएमश्री स्कूल में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उसे गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ संजय कन्नौजे ने नई शिक्षा नीति 2020 के सभी आयामों को विद्यालय में शत-प्रतिशत लागू करने के निर्देश दिये। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार पीएमश्री विद्यालय के सभी नियम निर्देश के बिंदुओं को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने को कह। कलेक्टर ने कहा है कि शिक्षा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जा सकता है। सभी शिक्षक समय पर उपस्थित रहे क्योंकि पीएमश्री स्कूल एक मॉडल स्कूल है इसलिए आप सभी का अनुसरण की अन्य विद्यालय भी करेंगे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन संचालक का भी जायजा लिया। विद्यालय में चाकचौबंद व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण को देखकर कलेक्टर ने विद्यालय के प्राचार्य के साथ-साथ सभी स्टाफ की प्रशंसा भी किया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा एवं नरेश कुमार चौहान सेजेस जिला नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

बलरामपुर, शासकीय पॉलिटेक्निक रामानुजगंज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत भवन परिसर ताम्बेश्वरनगर में किया गया। शिविर 14 मार्च से 20 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के प्राचार्य डॉ. एस.पी. मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ,अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक, ग्राम के गणमान्य नागरिक तथा एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एस.पी. मिश्रा ने स्वयंसेवकों को शिविर की गतिविधियों में पूर्ण समर्पण के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा से युवाओं के व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता तथा लैपटॉप और स्मार्टफोन के आधारभूत संचालन की जानकारी दी जाएगी। साथ ही तकनीकी शिक्षा जागरूकता

अभियान के तहत प्री-पॉलीटेक्निक टेस्ट के संबंध में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। शिविर प्रभारी श्री विनोद कुमार देवांगन ने बताया कि सात दिवसीय शिविर का थीम नशामुक्त समाज के लिए युवा रखा गया है। शिविर के दौरान प्रतिदिन सुबह योग एवं व्यायाम कराया जाएगा तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशामुक्त भारत, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों पर आधारित प्रभात फेरी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर के अंतर्गत गांव के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, स्वच्छता जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक, सामाजिक संदेशों पर आधारित वाल पेंटिंग तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके साथ ही प्राथमिक शाला ताम्बेश्वरनगर के विद्यार्थियों के लिए पिट्ठुल, चम्मच दौड़ और कुर्सी दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे बच्चों में अनुशासन, एकता और सहयोग की भावना विकसित हो सके।

सेक्रो बिलासपुर मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित

बिलासपुर। सेक्रो बिलासपुर मंडल रेलवे के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव सक्रिय रूप से कार्यरत रहा है। इसके साथ ही सेक्रो बिलासपुर मंडल समय-समय पर भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इसी क्रम में दिनांक 16 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंडल सेक्रो द्वारा मंडल की महिला कर्मचारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से रेलवे ऑडिटोरियम, बिलासपुर में एक गरिमामय सम्मान-समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंडल सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती रीता श्रीवास्तव रहीं। इस अवसर पर सेक्रो की सचिव श्रीमती मोनिका देवांगन, कोषाध्यक्ष श्रीमती अर्पिता गर्ग, अन्य पदाधिकारी सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सेक्रो अध्यक्षा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात महिला कर्मचारियों के मनोरंजन एवं उत्साहवर्धन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान अग्रज नाटक दल द्वारा प्रस्तुत सामाजिक संदेश पर आधारित नाटक ए नोट टू सुसाइड को उपस्थित दर्शकों ने अत्यंत सराहा, जिसने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों का भरपूर मनोरंजन करते हुए उनका उत्साह भी बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान रेल संचालन में उत्कृष्ट कार्य संपादित करने वाली बिलासपुर मंडल की 38 महिला कर्मचारियों एवं जेईई परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 4 प्रतिभावान छात्रों को मंडल सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती

रीता श्रीवास्तव के करकमलों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि एवं मंडल सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती रीता श्रीवास्तव ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज महिलाएं अपनी प्रतिभा, साहस और समर्पण के बल पर प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं तथा समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी प्रेरणादायी और साहसी महिलाओं की उपलब्धियों तथा आपके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का वर्णन कुछ शब्दों में करना संभव नहीं है। आप में से प्रत्येक में निहित विशेष क्षमताएं और आत्मविश्वास आपको निरंतर आगे बढ़ने और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस दौरान उन्होंने आरपीएफकी महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित 'मेरी सहेली', 'अक्षिता सेफ' तथा 'चाइल्ड हेल्पलाइन' जैसी जनकल्याणकारी पहलों की सराहना की और इन प्रयासों को यात्रियों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा और सहायता के लिए अत्यंत सराहनीय बताया। साथ ही उन्होंने सेक्रो द्वारा विगत वर्षों में कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण, सामाजिक सरोकारों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में किए गए विभिन्न कार्यों एवं आयोजनों की जानकारी भी उपस्थित महिला कर्मचारियों एवं अतिथियों को प्रदान की।

पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन सतर्क अफवाहों से बचने की अपील

रायगढ। राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों की नियमित उपलब्धता और सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन सतर्क है। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले के संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी से प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कहा कि ऑयल कंपनियों के पास इन पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उनकी नियमित आपूर्ति जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस संबंध में आम जनता के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अनावश्यक रूप से एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग या पेट्रोल-डीजल के अनावश्यक संग्रहण जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया कि ऑयल कंपनियों और जिलों में उपलब्ध एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की दैनिक जानकारी खाद्य विभाग के मॉड्यूल के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। इसके आधार पर प्रतिदिन जिले में प्राप्त स्टॉक, विक्रय मात्रा तथा शेष उपलब्धता की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बदलते मौसम में कैसे रखें सेहत का ध्यान

मौसम में अचानक बदलाव ने वातावरण को नमी वाला और ठंडा बना दिया है। ऐसे समय में कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जैसे सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में दर्द, पेट संबंधी परेशानियां और त्वचा की एलर्जी। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को इन मौसम-संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है। इसी वजह से खानपान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी है। भोजन से हमारी इम्यूनिटी मजबूत होती है और शरीर को मौसम के बदलाव के अनुसार ढालने में मदद मिलती है। सही डाइट अपनाने से न केवल बीमारियों से बचाव होता है, बल्कि शरीर और दिमाग दोनों तंदरुस्त रहते हैं। ऐसे में जानना जरूरी है कि कौन सी चीजें डाइट में जरूर शामिल करें और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

ऐसे रखें सेहत का पूरा ध्यान :- बदलते मौसम मे सेहत बनाए रखने के लिए सही खानपान के साथ-साथ लाइफस्टाइल पर भी ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें। हल्की एक्सरसाइज, योग या प्राणायाम करें ताकि शरीर मजबूत रहे। हाथ-पैर और शरीर को हमेशा साफ रखें और मौसम के अनुसार गर्म कपड़े पहनें। नियमित रूप से पानी पीते रहें और शरीर को हाइड्रेटेड रखें। इन आसान आदतों को अपनाकर आप बदलते मौसम में भी स्वस्थ, एक्टिव और बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

क्या चीजें डाइट में शामिल करें?

बदलते मौसम में शरीर को पोषण और एनर्जी की जरूरत ज्यादा होती है। इसलिए डाइट में कुछ खास चीजें शामिल करना बेहद जरूरी है। सबसे पहले फल और सब्जियां, खासकर मौसमी फल जैसे संतरा, मौसंबी, पपीता और सब्जियां जैसे गाजर, पालक, भिंडी आदि रोज़ाना खाएं। ये विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। इसके अलावा प्रोटीन वाले आहार जैसे दूध, दही, पनीर, अंडा और दालों को अपनी डाइट में शामिल करें। गर्म मसाले और हल्का ताजा जड़ी-बूटी वाला सूप भी शरीर को ठंड और संक्रमण से बचाने मे मदद करता है। इसके अलावा पर्याप्त पानी पीना और हाइड्रेटेड रहना भी बहुत जरूरी है। थोड़ी मात्रा में नट्स और सीड्स, जैसे बादाम और कद्दू के बीज, भी पोषण और एनर्जी बढ़ाने के लिए

किन चीजों से परहेज करें?

बदलते मौसम में कुछ चीजों से बचना भी जरूरी है। सबसे पहले बहुत ज्यादा तैलीय और जंक फूड का सेवन न करें। ठंडे पेय और बहुत ज्यादा आइसक्रीम खाने से पेट और गले में समस्या हो सकती है। अधिक मसाले या बहुत ज्यादा नमक वाला खाना भी शरीर पर दबाव डाल सकता है। साथ ही बाहर का बिना पकाया हुआ खाना, स्ट्रीट फूड या पानी का सेवन सावधानी से करें। इनसे संक्रमण और पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। संतुलित और साफ-सुथरी डाइट रखना ही बदलते मौसम में सेहत बनाए रखने का सबसे आसान तरीका है।

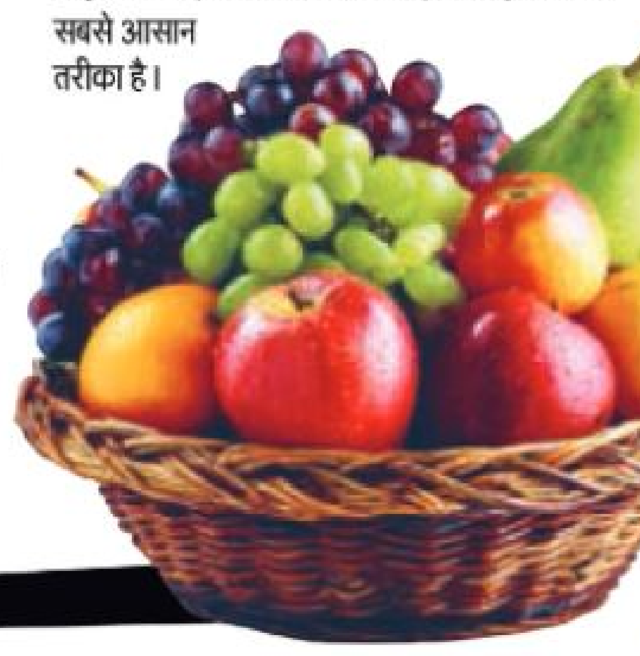

मासिक शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा

मासिक शिवरात्रि का दिन हर शिवभक्त के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महादेव की पूजा के साथ व्रत रखने का विधान है। यदि आप यह व्रत पहली बार कर रही हैं, तो जान लें इसे करने की सही विधि, पूजा की तिथि और शुभ मुहूर्त, ताकि पूजा के दिन आपसे कोई भूल न हो। हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। साल 2026 में चैत्र माह में मासिक शिवरात्रि 17 मार्च, मंगलवार को होगी। इस दिन भक्त महादेव की विशेष पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से महादेव की कृपा से भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आती है।

मासिक शिवरात्रि मार्च 2026 : तिथि और शुभ मुहूर्त

मासिक शिवरात्रि का व्रत : 17 मार्च 2026, मंगलवार को रखा जाएगा। चतुर्दशी तिथि प्रारंभ : 17 मार्च को सुबह 09 :23 बजे, चतुर्दशी तिथि समाप्ति : 18 मार्च को सुबह 08 :25 बजे, निशिता काल (पूजा का समय) : 17-18 मार्च की मध्यरात्रि 12 :07 से 12 :55 के बीच

पूजा विधि

स्नान और संकल्प : सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें। मासिक शिवरात्रि की मुख्य पूजा निशिता काल में होती है, लेकिन व्रत सुबह से ही रखा जाता है।

अभिषेक : सबसे पहले शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर (पंचामृत) से अभिषेक करें।

सामग्री अर्पण : भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, सफेद चंदन और भस्म अर्पित करें। माता पार्वती को श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाएं।

चालीसा और मंत्र जाप : पूजा के दौरान "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ करें।

दीपक और आरती : घी का दीपक या कपूर जलाकर आरती करें।

पारण : पूजा के बाद शुभ मुहूर्त में व्रत का पारण करें।

मासिक शिवरात्रि का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो भक्त निष्ठापूर्वक मासिक शिवरात्रि का व्रत रखते हैं, उनके जीवन से बाधाएं दूर होती हैं और उन्हें सुख-शांति की प्राप्ति होती है। कई कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने के लिए और विवाहित महिलाएं वैवाहिक सुख की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं।

गर्मी में रोजाना पिएं बेल का शरबत

गर्मी आते ही लोग बॉडी को ठंडक देने के लिए तरह तरह के सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते हैं। लेकिन ये सॉफ्ट ड्रिंक्स सेहत को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में इसकी जगह बेल का शरबत पीना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। बेल एक ऐसा मौसमी फल है, जो गर्मी के दिनों में कई तरह से लाभ पहुंचाता है। इसका शरबत पीने से गर्मियों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है। इसके साथ ही ये हीट वेव से भी बचाता है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना बेल का शरबत पीने से क्या क्या फायदे मिल सकते हैं।

1. पेट की समस्याओं का काल

बेल के शरबत में लैक्सेटिव गुण होते हैं। अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो यह आपकी आंतों की सफाई करने में बहुत मददगार है। साथ ही, यह दस्त और पेचिश जैसी समस्याओं मे भी रामबाण इलाज माना जाता है।

2. नेचुरल कूलिंग एजेंट

इसकी तासीर बहुत ठंडी होती है। यह न केवल प्यास बुझाता है, बल्कि लू से भी बचाता है और शरीर के आंतरिक तापमान को कम रखने में मदद करता है।

3. एनर्जी का पावरहाउस

बेल में कार्बोहाइड्रेट्स और पोषक तत्व भरपूर होते हैं। गर्मी की वजह से होने वाली थकान और सुस्ती को दूर कर यह आपको तुरंत एनर्जी देता है।

4. खून की सफाई और त्वचा में निखार

बेल का शरबत एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे खून साफ होता है और चेहरे पर होने वाले मुंहासों और गर्मी के दानों में कमी आती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय मे बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आमदनी बढ़ेगी और समाज में मान-सम्मान भी मिलेगा। परिवार का माहौल भी खुशहाल रहेगा। नौकरी और व्यवसाय दोनों मे मनचाहा लाभ मिल सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत है और आय मे वृद्धि हो सकती है। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। विशेष रूप से महिलाओं को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए विशेष रहने वाला है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमे सफलता मिलने की संभावना है, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे और मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। परिवार और संतान का पूरा सहयोग मिलेगा, अविवाहितों के लिए रिश्ते की बात बन सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा महसूस करेंगे।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। मित्रों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है और कार्यक्षेत्र में भी अच्छे परिणाम मिलेंगे। नौकरी और व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। दांपत्य जीवन मे मधुरता रहेगी और रिश्ते मजबूत होंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत महसूस करेंगे।

कर्क राशि - आज का दिन थोड़ा सावधानी से बिताने का है। कार्यक्षेत्र में चल रही राजनीति से दूर रहना बेहतर रहेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं, लेकिन सहकर्मियों की सलाह लेना जरूरी होगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार और संतान से जुड़े मामलों पर ध्यान देना जरूरी होगा। : मानसिक तनाव से बचने की कोशिश करें।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। मेहनत और ईमानदारी का अच्छा परिणाम मिलेगा और समाज में पहचान बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

कन्या राशि - आज का दिन आपके पक्ष मे रहेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध और मजबूत होंगे। साझेदारी के व्यापार मे कुछ चुनौतियां आ सकती है, लेकिन समझदारी से हल निकाल लेंगे। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मामलों में सहयोग मिल सकता है। मीडिया और शिक्षा से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। आय में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। दांपत्य जीवन मे सामंजस्य बना रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आ सकता है। व्यापार में लाभ के संकेत मिलेंगे और परिवार में भी सुख-शांति बनी रहेगी। व्यापार में अच्छा लाभ मिल सकता है। खर्च बढ़ सकता है, खासकर किसी उपहार या खरीदारी पर। रिश्तों मे मधुरता बनाए रखें।

धनु राशि- आज का दिन ऊर्जा से भरा रहेगा। लंबी यात्रा के योग बन सकते हैं, जो आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। वैवाहिक जीवन में तालमेल बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर राशि - आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र मे किसी बड़ी समस्या का समाधान निकालने मे सफल हो सकते हैं। व्यापारियों को मनचाहा लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। रक्तचाप से संबंधित समस्या हो सकती है, सावधानी रखें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। पारिवारिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और अधिकारी आपकी सराहना करेंगे। व्यापार में किसी महिला मित्र की मदद से लाभ मिल सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन व्यस्तता भरा रह सकता है। मेहनत से आर्थिक लाभ के योग बनेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय मे नए अवसर मिल सकते हैं। धन लाभ की संभावना है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखें। आराम करने से स्वास्थ्य में सुधार महसूस होगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

बार-बार मुंह में छाले होने के मुख्य कारण

बार-बार मुंह में छाले होना देखने में भले ही छोटी समस्या लगे, लेकिन इसके पीछे शरीर से जुड़ी कई परेशानियां छिपी हो सकती हैं। आमतौर पर छाले कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं, अगर ये बार-बार होने लगें या लंबे समय तक बने रहें, तो यह संकेत है कि शरीर में कुछ गड़बड़ है। कई लोग बार-बार मुंह में छाले होने की समस्या को सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं और सिर्फ दर्द कम होने का इंतजार करते रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इस समस्या को नजरअंदाज न किया जाए और समय रहते इसके कारणों को ठीक से समझा जाए।

यह समस्या केवल मुंह तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विटामिन की कमी, पाचन खराब होना या पेट से जुड़ी बीमारी की ओर इशारा कर सकती है। मुंह मे बार-बार छाले होने का सबसे बड़ा कारण विटामिन और मिनरल तत्वों की कमी मानी जाती है।

खासतौर पर विटामिन बी12, फोलेट, आयरन और जिंक की कमी से मुंह की त्वचा कमजोर हो जाती है, जिससे छाले जल्दी बनते हैं। इसके अलावा पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, गैस, एसिडिटी या पाचन खराब होना भी छालों की वजह बन सकता है। जब पेट ठीक से काम नहीं करता, तो शरीर में गर्मी बढ़ जाती है और उसका असर मुंह में दिखने लगता है। कमजोर इम्यून सिस्टम के कारण भी शरीर छोटी-छोटी परेशानियों से लड़ नही पाता, जिससे छाले बार-बार होने लगते हैं। लंबे समय तक दवाइयों का सेवन या खानपान भी इसका कारण हो सकता है।

विटामिन की कमी और पेट की बीमारी के अलावा भी कई वजहों से मुंह मे छाले हो सकते हैं। ज्यादा तनाव लेना और पूरी नींद न लेना इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे छाले बनने लगते हैं। बहुत ज्यादा मसालेदार, खट्टा या गर्म भोजन करने से भी मुंह मे जलन और छाले हो सकते हैं। टूटे या नुकीले दांत से मुंह मे बार-बार चोट लगना भी एक कारण है। महिलाओं मे हॉर्मोनल बदलाव, खासकर पीरियड्स के दौरान, छालों की समस्या बढ़ा सकते हैं।

भूख न लगना कब बन जाता है चिंता का कारण?

कई बार ऐसा होता है कि सामने खाने की प्लेट रखी होती है फिर भी कुछ खाने का मन नहीं होता है। हालांकि ये एक सामान्य परेशानी है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे तनाव, सर्दी-जुकाम या ज्यादा काम आदि, अक्सर जब हम बहुत थक जाते हैं तब भी खाना खाने का मन नहीं करता है, ऐसे में हम इसे आम समझकर जाने देते हैं, लेकिन अगर समस्या कई दिनों तक बनी रहे तो यह शरीर में कुछ गड़बड़ी का संकेत हो सकता है, जिसे हमें समय रहते पकड़ लेना चाहिए।

मेडिकल की भाषा मे हम इसे एनोरेक्सिया (anorexia) कहते हैं, हालांकि ये खाने के विकार वाली बीमारी से अलग है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि भूख न लगने के क्या कारण होते हैं, कब चिंता करनी चाहिए, कौन से लक्षण दिखें तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

कई बार ऐसा होता है कि हमें भूख नहीं लगती है, जो कि नॉर्मल हो सकता है। ज्यादातर मामलों में भूख न लगना अस्थायी होता है और ये खुद ब खुद ठीक हो जाता है। इसके पीछे कुछ मुख्य कारण हो सकते हैं।

जैसे-

पाचन संबंधी समस्या: गैस, एसिडिटी, कब्ज या आईबीएस जैसी दिक्कतों के चलते कई बार हमें भूख नहीं लगती है।

बीमारियां: सर्दी-जुकाम, बुखार, पेट का इंफेक्शन, फूड पॉइजनिंग या कोई वायरल संक्रमण

तनाव और

मानसिक स्थिति: ज्यादा चिंता, डिप्रेशन, उदासी या किसी प्रियजन की मौत का सदमा, तनाव से शरीर हार्मोनल बदलाव आदि

दवाइयां: कुछ एंटीबायोटिक्स, या कैंसर की दवाएं, दर्द निवारक या डिप्रेशन की दवाएं भी भूख को मार देती हैं।

पैरों में सूजन और भारीपन को न करें नजरअंदाज

बहुत से लोगों के साथ यह समस्या होती है कि शाम होते होते पैरों में भारीपन महसूस होने लगता है। दरअसल, कई लोगों के दिन की शुरुआत में पैर सामान्य और हल्के महसूस होते हैं, लेकिन जैसे-जैसे दिन ढलता है, पैरों में भारीपन, खिंचाव या हल्की सूजन महसूस होने लगती है। अक्सर लोग इसे थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह हमेशा थकान का संकेत नहीं होता। कई बार शरीर सूजन के जरिए यह बताने की कोशिश करता है कि रक्त संचार पर दबाव पड़ रहा है। चलिए जानते हैं ऐसा होना किन गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है।

हो सकती हैं ये समस्याएं:

क्रोनिक वीनस इनसफिशिएंसी : क्रोनिक वीनस इनसफिशिएंसी एक ऐसी स्थिति है जब पैरों की नसें रक्त को हृदय तक वापस ले जाने में असमर्थ हो जाती हैं, जिससे नसों के वाल्व कमजोर होकर रक्त पैरों में जमा होने लगता है। इससे पैरों में भारीपन, दर्द, सूजन, और त्वचा में बदलाव हो सकते हैं। इसका मुख्य कारण वाल्व का खराब होना हो सकता है। लंबे समय तक खड़े रहने या बैठे रहने से यह समस्या और भी ज़्यादा बढ़ जाती है। यह समस्या ऑफ़िस मे काम करने वालों, शिक्षकों, दुकानदारों और ऐसे किसी भी व्यक्ति में काफ़ी आम है, जिसे लंबे समय तक खड़े रहना पड़ता है। इसे ठीक करने के लिए कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स, पैर ऊपर उठाना और जीवनशैली मे बदलाव शामिल हैं।

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर : कंजेस्टिव हार्ट फेलियर एक गंभीर स्थिति है जिसमें हृदय शरीर की जरूरत के अनुसार पर्याप्त रक्त पंप नही कर पाता है। इससे शरीर में तरल पदार्थ का जमाव, फेफड़ों, पैरों और अन्य अंगों में होता है। यह सांस फूलने, थकान और पैरों मे सूजन का कारण बनता है। यह आमतौर पर उच्च रक्तचाप या कमजोर मांसपेशियों के कारण होता है। जब सूजन का संबंध दिल से जुड़ा होता है, तो इसका मतलब है कि शरीर को तुरंत डॉक्टरी मदद की ज़रूरत है।

किडनी की बीमारी : किडनी शरीर के प्राकृतिक फ़िल्टर के तौर पर काम करते हैं। ये रक्त में मौजूद नमक, पानी और बेकार पदार्थों को छानकर शरीर से बाहर निकाल देते हैं। जब किडनी की कार्यक्षमता कम हो जाती है, तो टिशू में तरल पदार्थ जमा होने लगता है। जिससे पैरों में लगातार सूजन की परेशानी हो सकती है।

रामनवमी पर 'नृत्य, नाटिका एवं संगीत रामायण'

रामनवमी के पावन और मंगलमय अवसर पर, गुरुवार दिनांक 26 मार्च 2026 को माटुंगा स्थित श्री षणमुखानंद चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती सभागार में "नृत्य, नाटिका एवं संगीत रामायण" नामक एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम को समर्पित एक भक्तिमय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अर्पण है। रामायण में वर्णित आदर्श मूल्य – धर्म, सत्य, त्याग, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा – को नृत्य, नाटक और संगीत के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। हैप्पीलकी एंटरटेनमेंट की ओर से इस कार्यक्रम के लेखक, संकल्पनाकार और निर्माता संजय महाले हैं। इस कार्यक्रम में फिल्म, नाट्य और संगीत क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं, जिनमें महेश मांजरेकर, पुनीत इस्सर, हिमांशु सोनी, गौरी इंगावले, स्वप्नील राजशेखर, केतन करंडे, कुणाल फडके, समिरा गुजर, निकिता बनवलीकर, सावनी रवींद्र (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता), नचिकेत देसाई, नेहा कामत और समूह, मिहिर महाले तथा स्वयं संजय महाले शामिल हैं। इस भव्य कार्यक्रम का संगीत संयोजन सुप्रसिद्ध तालवादक नितीन शंकर ने किया है। इस कार्यक्रम में मुंबई के गणमान्य नागरिक, उद्योगपति, सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ तथा बड़ी संख्या में श्रीराम भक्त उपस्थित रहेंगे, ऐसी जानकारी संजय महाले ने दी।

भारतमाला परियोजना के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा; थनोद में चक्काजाम, 28 को नेशनल हाईवे रोकने की चेतावनी

दुर्ग। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना अब दुर्ग जिले के ग्रामीणों के लिए गले की हड्डी बनती जा रही है। परियोजना के तहत बन रहे अंडरब्रिज की कम ऊंचाई के विरोध में सोमवार को ग्राम थनोद सहित चार गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर दिया।

4 मीटर की ऊंचाई पर अड़ा विवाद- ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माणाधीन अंडरब्रिज की ऊंचाई महज 4 मीटर रखी गई है। किसानों का कहना है कि इतनी कम ऊंचाई से ट्रैक्टर-ट्रॉली, कंबाइन हार्वेस्टर और अन्य बड़े कृषि वाहनों का निकलना असंभव है। इसके अलावा, क्षेत्र में मूर्तियों के परिवहन में भी भारी दिक्कतें आएंगी। ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि अंडरब्रिज की ऊंचाई कम से कम 5.5 मीटर की जाए और नाले पर पृथक ब्रिज का निर्माण हो।

दो साल से अनसुनी, अब आर-पार की जंग- प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे बीते दो वर्षों से प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। इसी के विरोध में 11 मार्च से ग्रामीण अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। प्रशासन की बेरुखी से नाराज होकर आज ग्रामीणों ने चक्काजाम का रास्ता चुना। मौके पर पहुंचे एसडीएम (स्ठरू) और प्रशासनिक अधिकारियों ने समझाइश की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े रहे।

28 मार्च को महा-आंदोलन का अल्टीमेटम- ग्रामीणों ने प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर ठोस और लिखित आदेश जारी नहीं हुआ, तो आगामी 28 मार्च को राष्ट्रीय राजमार्ग (हड्डह्वद्धश्ठ्ठड्ढ ॥द्धद्ध2ड्ड4) पर चक्काजाम किया जाएगा। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि इस दौरान होने वाली किसी भी अप्रिय स्थिति या यातायात बाधा की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

क्या आप इस समाचार में किसी विशिष्ट किसान नेता का नाम या प्रशासन की ओर से दिए गए किसी विशेष बयान को जोड़ना चाहते हैं?

कलेक्टर ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

मरम्मत कार्य बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले में स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्राथमिकता वाले निर्माण कार्यों की कड़ी निगरानी कर तय समय पर पूर्ण कराने तथा सड़क मरम्मत कार्य बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि बलौदाबाजार -सुहेला -सिमगा, पड़कीडीह -हिरमी, भाटापारा -सेमरिया चंद्रखुरी एवं कोटा -जारा -संडी सड़क निर्माण प्राथमिकता वाले है। इन कार्यों को समय पर पूरा कराने ठेकदार पर कड़ी निगरानी रखें। एसडीओ और सब इंजीनियर नियमित फिल्ड विजिट करें, कोई ठेकेदार लापरवाही करता है तो नोटिस जारी करें और पेनाल्टी लगाएं। इसीतरह रिसदा बाई पास एवं बलौदाबाजार लटुआ बाई पास निर्माण के लिये आवश्यक पहल करें। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने कहा। कलेक्टर ने भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए नालंदा परिसर, एथलेटिक्स ट्रेक्स, इंडोर स्टेडियम निर्माण सहित स्कूल भवन, स्वास्थ्य केन्द्, शौचालय निर्माण कार्य को भी तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। बताया गया कि इस वर्ष लगभग 174 करोड़ रुपए के 16 सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। सड़क मरम्मत एवं पैच रिपेरिंग कार्य के लिये भी स्वीकृति मिली है।

बलोदा में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर, 35 मरीजों की जांच

सरायपाली। सरायपाली विकासखंड के ग्रामीण अंचल में आम नागरिकों को उनके घर के समीप बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान आरोग्य मंदिर बलोदा में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्वर्गीय मोहनलाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों की टीम द्वारा लगाया गया। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कुणाल नायक एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय अग्रवाल ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों सहित कुल 35मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया गया तथा उपचार से संबंधित दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर से विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में मदद मिली।

साथ ही स्थानीय लोगों को घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलने से काफी सुविधा हुई और सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है उपरोक्त जानकारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी सह मीडिया प्रभारी टी आर धृतलहरे ने दी ।

नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों का हुआ निराकरण

सरायपाली। न्यायालय भवन में लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें न्यायधीशों के 4 अलग अलग खंडपीठों में कुल 608 विभिन्न प्रकरणों में 82,19,878 रुपये का अवॉर्ड पारित किया गया । ज्ञातव्य हो कि उक्त लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिता डहरिया के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। नेशनल लोक अदालत की उक्त 04 खण्डपीठों में श्रमिक विवाद, बैंक रिकवरी प्रकरण, विद्युत एवं देयको के अवशेष बकाया की वसूली और राजीनामा योग्य अन्य मामले के बकाया की वसूली संबंधी प्री-लिटिगेशन मामले, राजस्व न्यायालयों से संबंधित प्रकरण सुनवाई हेतु रखे गये थे। उक्त मामले के अलावा राजीनामा योग्य दांडिक प्रकरण, परक लिखत अधि. की धारा-138 के अधीन परिवाद पर संस्थित मामले, मोटर दुर्घटना दावा संबंधी मामले तथा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा-135 (क) के तहत विद्युत चोरी के मामले, सिविल मामले भी नियत किये गये

थे। उक्त खण्डपीठों में उपरोक्त सभी मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायालयों में प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार खण्डपीठ क्रमांक 01 वंदना दीपक देवांगन प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में बिजली विभाग के प्री-लिटिगेशन संबंधीत मामलों में विद्युत से संबंधित 24 प्रकरणों में 3,38,000/-, मोटर दावा दुर्घटना के 01 प्रकरण 5,86,000 मोटर दावा निष्पादन के 02 प्रकरण में 6,20,000 रुपये का निराकरण किया गया। खंडपीठ 02 पंकज आलोक तिर्की दुतीय अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में 07 में 45,00,000 रुपये, दावा निष्पादन 01 प्रकरण में 10,04,278 रुपये 09 बैंक प्रिलिटिगेशन 6,08,000 रुपये का निराकरण किया गया। खंडपीठ क्रमांक 03 वैभव घृतलहरे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय में धारा 138 के 01 प्रकरण में 1,00,000 रुपये, दाण्डिक के 03 प्रकरण, एवम समरी 419 प्रकरणों में 49,600 रुपये पारित किया गया। क्रमांक 04 विनय कुमार साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में धारा 138 के 01 प्रकरण में 4,00,000 रुपये समरी 140 प्रकरणों 14,000 रुपये, के राशि साथ निराकरण किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ एडीजे, न्यायधीशों व एसडीएम द्वारा दीप प्रज्वलित किए जाने के पश्चात वंदेमातरम के साथ ही राष्ट्रगान के साथ किया गया। सर्वप्रथम राजस्व विभाग द्वारा भू अधिकार स्वामित्व योजना के तहत का लाखन पाली 54 ग्रामीणों को आबादी भू स्वामी पट्टा वितरण कर प्रारंभ किया गया। न्यायालय भवन में पक्षकारों से खचाखच भरे हाल संबोधित करते हुवे अपर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन ने कहा कि अदालत लगाए जाने का उद्देश्य आपसी भाईचारे व समझौते के तहत प्रकरणो का निराकरण किया जाना है वर्षों से न्यायालय में चल रहे समझौते युक्त प्रकरणों को आपसी समझौते के तहत निपटारे का यह एक सशक्त व सुगम माध्यम तथा मंच है। अधिक से अधिक पक्षकारों को समझौते युक्त प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणो का निराकरण किया जाना चाहिए। एसडीएम अनुपमा आनंद ने लोक अदालत की प्रशंसा करते हुवे बताया कि इसकी शुरुवात ग्राम लाखनपाली के 54 लाभार्थियों को भू अधिकार स्वामित्व योजना के तहत भू अधिकार पट्टा प्रदान कर किया जा रहा है। अधिवक्ता संघ के सचिव राजेंद्र कुमार दास ने अधिक से अधिक पक्षकारों को लोक अदालत के सुविधाओं का लाभउठाने की अपील के साथ ही लोक अदालत में उनके चैंबर द्वारा पक्षकारों व लोक अदालत में शामिल सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए निशुल्क भोजन की भी व्यवस्था का लाभ उठाने की बात कही। एनडीपीएस के विशेष लोक अभियोजक देवेंद्र शर्मा ने कहा कि लोक अदालत तभी सफल हो रहा है जब दोनों पक्षकार गण आपसी समझौता के लिए तैयार होते हैं आप लोगों के आपसी समझौते के मानसिकता व इच्छा के चलते ही लोक अदालतों का उद्देश्य पूरा हो रहा है। लोक अदालत के प्रारंभिक चरणों में राजस्व विभाग द्वारा ग्राम लाखन पाली के 54 लाभार्थियों जिनमें परीक्षित, सुशील, विश्राम, पूरन बाई, भगतराम, तुलसी, सुदरु महेश, कलीराम, बलिराम, गोपसिंह, हेतराम, सेतबाई , शौकी, भोगीलाल, चलमणि, मनबोध, निरंजन, रामचंद्रो, राखीलाल, मिलाप सिंह, रेशमलाल, सेत कुमार, रणघु, प्रेमसागर, केवल सींग, बसंतलाल, शौकीलाल, लक्ष्मण, वासुदेव, लाला, बुद्धान, नेहरु, सतवंती, दाशरथि, मेमबाई, नारायण, पुनित राम, चैतराम, कुंजराम, बाबूलाल, सामाजिक भवन, मालिकराम, प्यारीलाल व डमरु को भू स्वामी पट्टा का वितरण प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन, पंकज आलोक तिर्की (द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), वैभव घृतलहरे (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी), विनय कुमार साहू (न्यायिक मजिस्ट्रेट कनिष्ठ श्रेणी), अनुपमा आनंद (एसडीएम) तथा श्रीधर पंडा (तहसीलदार) के हाथों वितरित किया गया। इस दौरान प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन व एसडीएम अनुपमा आनंद द्वारा स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल जाकर अपना बीपी व स्वास्थ्य चेक कराया।

सिविल अस्पताल पत्थलगांव की अव्यवस्थाओं पर गाज: संयुक्त संचालक ने जारी किया 'कारण बताओ' नोटिस

पत्थलगांव/अम्बिकापुर। सिविल अस्पताल पत्थलगांव में पसरी अव्यवस्थाओं और एक शिक्षक की मृत्यु के बाद परिजनों को हुई भारी परेशानी की खबर को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। संभागीय संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवायें) सरगुजा संभाग, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने अस्पताल प्रबंधन को 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर 3 कार्य दिवस के भीतर जवाब तलब किया है।

सरगुजा संभाग, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला

क्या है पूरा मामला?- बीते दिनों दैनिक समाचार पत्र में ÷शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत के बाद सिविल अस्पताल में भटकते रहे परिजन÷ शीर्षक से प्रमुखता से समाचार प्रकाशित हुआ था। खबर में बताया गया था कि अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को उचित इलाज और सम्मानजनक व्यवहार के लिए भटकना पड़ रहा है। सबसे गंभीर आरोप यह था कि अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर की जानकारी देने वाला 'ड्यूटी बोर्ड' अक्सर खाली रहता है, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को पता ही नहीं चलता कि इलाज के लिए किसके पास जाना है।

नोटिस में सख्त लहजे का प्रयोग- संयुक्त संचालक डॉ. शुक्ला द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि अस्पताल अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। नोटिस में कहा गया है कि यदि 3 दिनों के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधितों के विरुद्ध 'छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966' के तहत कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप- इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है। आम जनता ने इस पहल का स्वागत किया है, क्योंकि लंबे समय से पत्थलगांव सिविल अस्पताल में सुविधाओं के अभाव और कर्मचारियों के कथित अड़ियल रवैये की शिकायतें मिल रही थीं। अब देखना यह होगा कि इस नोटिस के बाद अस्पताल की व्यवस्थाओं में कितना सुधार आता है।

सिहावा विस में एनएसयूआई का भव्य होली मिलन समारोह संपन्न

एकजुटता और भाईचारे के साथ छात्रहितों के संघर्ष का लिया संकल्प

धमतरी। एनएसयूआई सिहावा विधानसभा द्वारा विधानसभा स्तरीय होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन बिरगुड़ी विश्राम गृह में किया गया। कार्यक्रम विधानसभा अध्यक्ष अरविन्द यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ जिसमें विधानसभा से सैकड़ों की संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेश ठाकुर, पूर्व विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव, ब्लॉक कांग्रेस बेलर अध्यक्ष राजू सोम, पूर्व मंडी अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, बिरगुड़ी सरपंच अमृत नाग एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य मीणा बंजारे उपस्थित रहे। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रदेश

कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष बीरेश ठाकुर ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि होली का यह त्यौहार हमारे बीच की एकजुटता को और मजबूत करता है। एनएसयूआई के कार्यकर्ता ही कांग्रेस की असली ताकत हैं। सिहावा विधानसभा में छात्रों का यह उत्साह बताता है कि आने वाले समय में युवा शक्ति बड़े बदलाव के लिए तैयार है। डॉ लक्ष्मी ध्रुव पूर्व विधायक ने कहा कि छात्रों के बीच पहुँचकर हमेशा नई ऊर्जा मिलती है। होली भाईचारे का प्रतीक है और मुझे खुशी है कि एनएसयूआई के युवा साथी न केवल राजनीति बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा दे रहे हैं। राजा देवांगन जिलाध्यक्ष ने कहा कि सिहावा विधानसभा की यह संगठनात्मक मजबूती हमारे संघर्ष की नींव है। होली मिलन के माध्यम से हमने संकल्प लिया है कि हम रंगों की तरह मिलकर रहेंगे और छात्र हितों की लड़ाई में पीछे नहीं हटेंगे। छात्रों की समस्याओं को लेकर हमारी आवाज हमेशा बुलंद रहेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से राहुल साहू, विनय गंगबेर, ओमप्रकाश मानिकपुरी, उदय साहू, सौरभ पाल, यश चंद्राकर, तामेश्वर भोयर, चैतन्य साहू, विक्की देवांगन, लकेश्वर साहू, वेंकट देवांगन, सूर्यकांत पटेल, राकेश नेताम, विवेक बंजारे, चंद्रकांत बनर्जी, सोमेश, पप्पू सेन सहित सिहावा विधानसभा के सैकड़ों जांबाज एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

नशे के सौदागरों पर प्रहार; 6 क्विंटल गांजा और 78 हजार नशीली गोलियां खाक

दुर्ग/ क्राईम रिपोर्टर। नशीले पदार्थों के खिलाफजारी अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस (हछ्क्र) एक्ट के तहत जब्त किए गए मादक पदार्थों का वैधानिक रूप से नष्टीकरण किया। नारकोटिक्स सेल और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर गठित ड्रग्स डिस्पोजल समिति की कड़ी निगरानी में करोड़ों रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया।

58 प्रकरणों के माल का हुआ निपटारा

पुलिस प्रशासन ने कुल 58 विभिन्न प्रकरणों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को इस प्रक्रिया में शामिल किया। नष्ट किए गए पदार्थों का विवरण इस प्रकार है:

- गांजा: 612.5 किलोग्राम
- ब्राउन शुगर: 6 किलो 550 ग्राम
- नशीली गोलियां (Tablets): 78,000 से अधिक
- कैप्सूल: 23,000 से ज्यादा
- सिरप: 197 बोतलें

भिलाई इस्पात संयंत्र (BSP) में किया गया भस्मीकरण- नष्टीकरण की प्रक्रिया को दो अलग-अलग स्थानों पर अंजाम दिया गया। भारी मात्रा में जब्त गांजा, ब्राउन शुगर, टेबलेट और कैप्सूल को भिलाई इस्पात संयंत्र (क्चस्क्क) के भीतर उच्च तापमान वाली भट्ठी में जलाकर नष्ट किया गया। वहीं, तरल मादक पदार्थ यानी नशीली सिरप का नष्टीकरण थाना नेवई क्षेत्र में निर्धारित प्रोटोकॉल और वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत किया गया।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई- इस पूरी कार्यवाही के दौरान ड्रग्स डिस्पोजल समिति के सदस्यों के साथ नगर पुलिस अधीक्षक (ष्टस्क्र) भिलाई नगर, डीसीआरबी (छ्ष्टक्रक्च) शाखा के अधिकारी-कर्मचारी और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना और अपराधियों को यह कड़ा संदेश देना है कि कानून के शिकंजे से कोई बच नहीं सकता।

पर्व हमें प्रेम ,सौहार्द और एकता का देता है संदेश : अनिता चौधरी

जैन कालोनी में दुर्गावाहिनी के कार्यकर्ताओं द्वारा होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

सरायपाली। होली के पावन अवसर पर सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुर्गावाहिनी द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के जैन कॉलोनी में बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद से मातृशक्ति और दुर्गावाहिनी की कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर पर्व की खुशियों को साझा किया। होली मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सदभाव को बढ़ावा देना तथा महिलाओं गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं और पारपरिक तरीके से इस रंगों के पर्व को मनाया। पूरे वातावरण में उत्साह, उमंग और खुशियों की झलक साफ दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण और देवी वंदना के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित सभी मातृशक्ति एवं दुर्गावाहिनी की बहनों ने होली के महत्व पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि होली केवल

रंगों का त्योहार नहीं बल्कि यह सामाजिक समरसता, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से समाज के सभी लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रेम का संदेश देते हैं। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद की जिला संयोजिका एवं समाज सेविका डॉक्टर अनीता चौधरी ने कहा कि होली का पर्व भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। यह पर्व हमें प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है और महिलाओं को एक मंच मिलता है जहाँ वे अपनी प्रतिभा और विचारों को साझा कर सकती हैं। कार्यक्रम में प्रखंड संयोजिका नमिता साहू ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गावाहिनी और मातृशक्ति हमेशा समाज के उत्थान और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने के लिए कार्य करती रही हैं। उन्होंने कहा कि त्योहार हमें आपसी संबंधों को मजबूत करने और समाज में खुशियों का संचार करने का अवसर देते हैं। इसी क्रम में प्रखंड उपाध्यक्ष सविता वर्मन ने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में ऐसे सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन लोगों को एक साथ लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं।उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हम सभी को मिलजुलकर समाज में प्रेम और सदभाव का वातावरण बनाए रखना चाहिए। उपस्थित दुर्गावाहिनी की जिला सह संयोजिका ललिता सिदार ने मंच संचालन करते हुए होली के महत्व पर प्रकाश डाला।,

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com